Govt. V. Y.T PG Autonomous college, Durg (C.G)

Department of English

5.1.3- The Capacity Development and Skill Enhancement Activities are organized for Improving Student's capabilities:

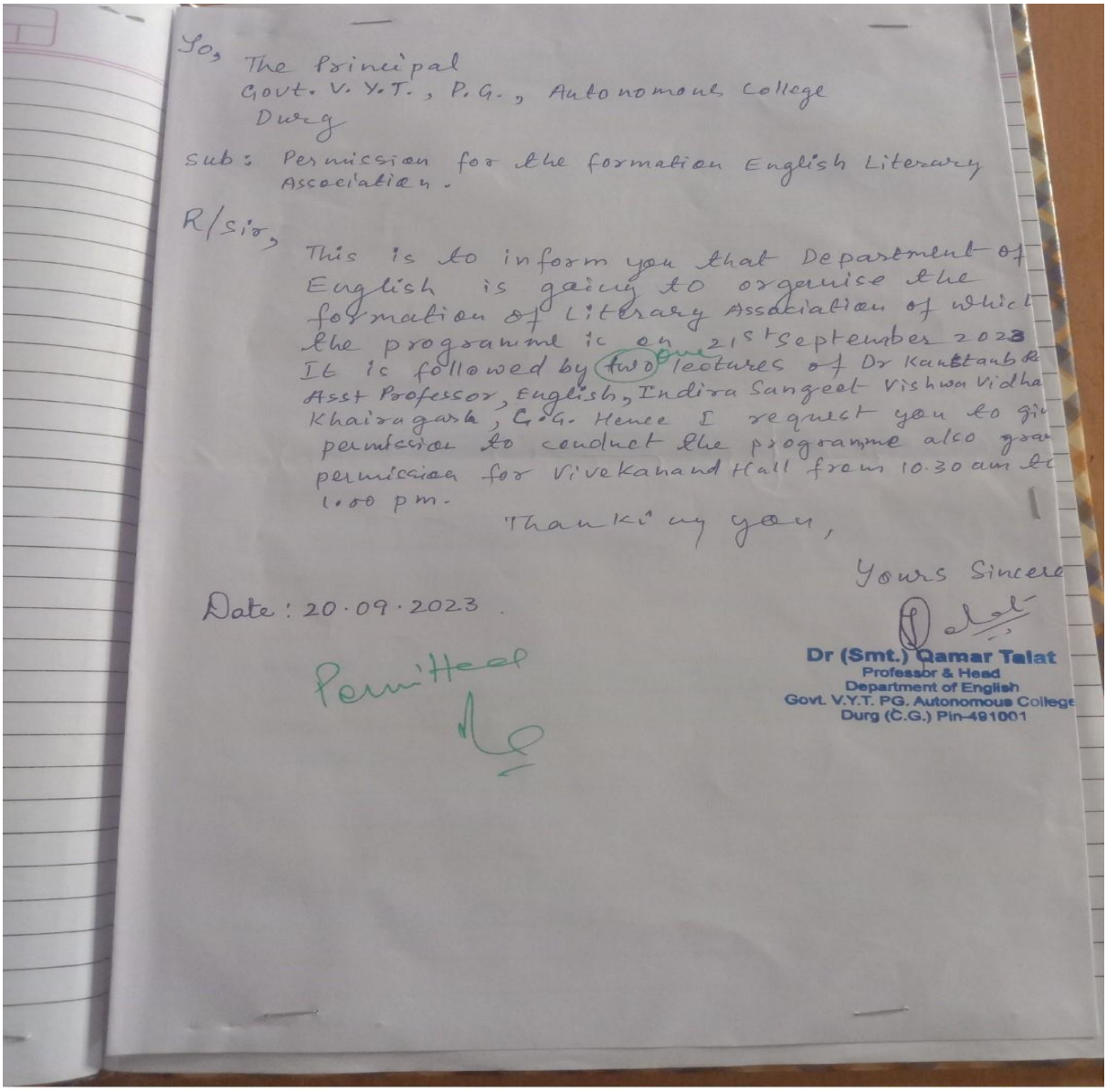

To, The Principal
Govt. V. Y. T., P. G., Autonomous College
Durg

Sub: Permission for the formation English Literary Association.

R/sir,

This is to inform you that Department of English is going to organise the formation of Literary Association of which the programme is on 21st September 2023 It is followed by ~~two~~ one lectures of Dr Kaustaubh Asst Professor, English, Indira Sangeet Vishwa Vidha Khairagarh, C.G. Hence I request you to give permission to conduct the programme also grant permission for Vivekanand Hall from 10.30 am to 1.00 pm.

Thanking you,

Yours Sincerely

Date: 20.09.2023.

Dr (Smt.) Qamar Talat
Professor & Head
Department of English
Govt. V.Y.T. PG. Autonomous College
Durg (C.G.) Pin-491001

Permitted

:

DEPARTMENT OF ENGLISH
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg 491001(C.G.)
(Former Name — Govt. Arts & Science College, Durg)
NAAC Grade-A+, CPE Phase-III, DBT-Star College
Ph.: 0788-2359688, Fax: 0788-2359688
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

Letter No 1634/2023 Date: 14.09.2023

To
Dr. Kaustubh Ranjan Mishra
Dept of English
Khairagarh Sangeet Vishwavidyalaya
Khairagarh.

Subject : Invitation Letter

Sir,

The Department of English, Govt.V.Y.T.PG.Autonomous College, Durg (C.G.) is inaugurating its' Literary Association on 21st September 2023.

We feel honoured to invite you to deliver the Inaugural Lecture on this occasion.

Dr. Qamar Talat
Head, Dept of English
Govt. V.Y.T.PG.Autonomous College
Durg .(C.G)

TheHitavada
Raipur City Line | 2023-09-26 | Page- 5
ehitavada.com

English Literary Association formed in Government VYT PG College

■ Staff Reporter
DURG, Sept 25

Professors and students present in the programme.

DEPARTMENT of English, Government VYT PG Autonomous College, Durg formed its English Literary Association recently. The occasion was graced by Dr Kaustubh Ranjan, Assistant Professor, Department of English, IKS University, Khairagarh. Dr. Kaustubh was also invited to deliver a lecture on The Tenets of Post-colonialism.

The event started with paying obeisance to the Goddess of knowledge, Maa Saraswati and with a welcome note. Addressing the esteemed guest, faculty members, nominated office bearers and the students of both MA Semester I and III and BA Literature students, Dr Qamar Talat, the head of the department gave a brief description of the objective of forming the Literary Association. She also mentioned about various activities and competitions organized under its auspices like quiz, storytelling, poetry recitation, skits, film and book reviews etc. These activities help the students to develop their linguistic skills, critical thinking and communication skills when provided a platform. The nominated candidates Chiman Bharadwaj, Rohini Sinha, Kirtilata and Venus Tirhutee together took pledge. Everyone in the gathering applauded and congratulated them.

Dr Kaustubh Ranjan presented his views on the topic in a very interesting way. He explicated in detail the meaning of Colonial and Postcolonial literatures, theories, texts written with special references to The Empire Writes Back Ashcroft, Griffith and Tiffin, Things Fall Apart by Chinua Achebe, Heart of Darkness by Joseph Conrad, Gayatri Spivak's Discourse, Feminist writing and many more. The discourse was thought provoking and it left an indelible mark on everyone. The faculty and students were interactive. The programme was conducted by Prakhar Sharma. Vote of thanks was extended by Diya Subba.

Powered by iDocuments

21.09.2023

S.No.	Name	Class	Signature
1	VENUS TIRHUTEE	I st sem.	[signature]
2	YOGITA	I st sem	[signature]
3	Shreya Shukla	I st Sem	[signature]
4	Raviprakash	1 st sem	[signature]
5	Morajdhwaj Thakur	I st Sem	[signature]
6	Mannu Koreti	1st sem(MA)	[signature]
7	khilesh kumar komre	1st sem(MA)	[signature]
8	Himanshu Patel	1st Sem-M.A	
9	Riya Patel	BA III rd Sem.	[signature]
10	Shruti Soni	BA III rd Sem.	[signature]
11	PRAKHAR SHARMA	1st Sem-(MA)	[signature]
12	KULDEEP TRIPATHI	1st Sem-(MA)	[signature]
13	BHAVESH KUMAR	1st Sem-(MA)	[signature]
14	Pranay Gaikwad	BA (III) [illegible]	[signature]
15	Payal Dewangan	BA III	[signature]
16	Pranjal Chandrakar	III sem. (M.A.)	[signature]
17	Diya Subba	III sem. (M.A)	[signature]
18	Nitesh Meshram	III sem. (M.A)	[signature]
19	Kirtilata	III sem (M.A.)	[signature]
20	Anjana	III sem (M.A)	[signature]
21	RAHUL TARAM	III sem (M.A)	[signature]

ACTIVITY-1

प्रतिवेदन

साइंस कॉलेज दुर्ग में जनपद संस्कृत सम्मेलन का आयोजन

साइंस कॉलेज दुर्ग में संस्कृत विभाग के द्वारा जिला स्तरीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृत प्रेमियों एवं भक्तों ने इस सम्मेलन में भाग लेते हुए बहुत सी विधा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम मुख्य तिथि के रूप में सेवा निवृत्त प्राध्यापक मुकुंद हमबर्डे का आगमन हुआ था। उन्होंने संस्कृत के वैज्ञानिक पक्षों को श्रोताओं के सम्मुख रखा। उन्होंने बताया कि संस्कृत विश्व की सभी भाषाओं की जननी है संस्कृत में न केवल सामाजिक चेतना तथा नैतिक मूल्यों पर चर्चा की गई है अपितु दार्शनिक और वैज्ञानिक आविष्कार के प्रमाण भी संस्कृत के ग्रंथों में मिलते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित संस्कृत के प्राध्यापक प्रवीण कुमार झाड़ी ने संस्कृत को मूल्यों की भाषा बताया। उन्होंने बताया कि संस्कृत हमें अपनी संस्कृति से जोड़ती है। एक स्वस्थ वातावरण बिना संस्कृत के निर्मित होना संभव नहीं है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में हेमंत साहू संस्कृत भारती के प्रदेश संगठन मंत्री उपस्थित थे। उन्होंने संस्कृत को बोल चाल की भाषा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने संस्कृत भाषा को बहुत सरल भाषा बताया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने इस अवसर पर बहुत से संस्कृत गीत , नृत्य एवं नाटकों का प्रदर्शन किया। जिसकी सभी अतिथियों ने प्रशंसा की।

कार्यकम में साइंस कॉलेज दुर्ग के वनस्पति शास्त्र विभाग से डॉ सतीश कुमार सेन, श्री मोतीराम साहू, भारती आयुर्वेदिक कॉलेज से श्रीमती रेशम जोशी उपस्थित थे। विभिन्न विद्यालयों से बहुत से संस्कृत शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष जनेन्द्र कुमार दीवान ने किया। अंत में शांति पाठ पूर्वक कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

संस्कृत में विज्ञान
अर्थात्
प्राचीन भारत में
विज्ञान
एवं
प्रौद्योगिकी
की समृद्ध परम्परा
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

संस्कृत में विज्ञान
अर्थात्
प्राचीन भारत में
विज्ञान
एवं
प्रौद्योगिकी
की समृद्ध परम्परा
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WX+H4C, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Bhilai, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196394°
Long 81.297909°
02/10/23 11:38 AM GMT +05:30
Google

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
Shot on Y11
Vivo AI camera
2023.10.02 11:37

ACTIVITY-2

प्रतिवेदन

संस्कृत विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना और हिंदी विभाग द्वारा विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत रसमडा में ज्ञान का आदान-प्रदान

शासकीय विश्वनाथ यादव तमस्कर सनातन उत्तर महाविद्यालय दुर्ग के संस्कृत विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं हिंदी विभाग द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल रसमदा में विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत बहुत से कार्यक्रम आयोजित किए गए विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी अन्य संस्थाओं में जाकर ज्ञान का आदान-प्रदान करते हैं।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के हिंदी एवं संस्कृत विभाग के छात्र-छात्राओं ने अपने विषय के बारे में विद्यालय के छात्र-छात्राओं से चर्चा की संस्कृत के विद्यार्थियों ने श्लोक पाठ एवं संस्कृति के मंत्र सुन कर विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

संस्कृत विभाग के विभाग अध्यक्ष जनेंद्र कुमार दीवान ने संस्कृत के महत्व एवं वर्तमान में रोजगार की संभावना विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराणा ने अपने वक्तव्य में साहित्य पढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य डॉ एम एल जंघेल उपस्थित थे। साइंस कॉलेज दुर्ग से हिंदी विभाग से डॉ बलजीत कौर , ओम कुमारी देवांगन ,शारदा सिंह ,डॉ लता गोस्वामी उपस्थित थे।

हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने शिक्षकों की प्रेरणा से बहुत से लोक नृत्य एवं गीतों का मनमोहन प्रदर्शन किया । साइंस कॉलेज दुर्ग के राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति तथा नारी शिक्षा पर नुक्कड़ नाटक प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रजनीश उमरे एवं जयपाल सिंह गावरे ने किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

विस्तार गतिविधि संकलित ज्ञान का आदान-प्रदान

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कार स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी एवं संस्कृत विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई द्वारा विस्तार गतिविधि के तहत औद्योगिक ग्राम रसमड़ा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संस्कृति से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किया गया। विस्तार गतिविधि से तात्पर्य संकलित ज्ञान का आदान-प्रदान के माध्यम से विस्तार करना है, जिसके तहत महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी गांव के विद्यालयों में पहुंचकर आयोजन के उद्देश्य को चरितार्थ करते हैं।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रसमड़ा विद्यालय के विद्यार्थियों को कैरियर गाइडेंस, मोबाइल के दुष्प्रभाव तथा 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं तथा अध्ययन के विविध क्षेत्रों की जानकारी दी। स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। देश-भक्ति सामाजिक-दायित्व तथा मतदाता-जागरूकता पर महाविद्यालय के मृदुल निर्मल, मो.सारिक, हरीश साहू एवं मो. आदिल ने भावपूर्ण काव्य पाठ किया। महाविद्यालय की छात्राओं सुमन एवं रंजना ने स्त्री-जनित स्वास्थ्य समस्याओं पर विद्यालय की छात्राओं को जागरूक किया। अपने शिक्षकों की प्रेरणा से रसमड़ा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने लोकगीत, लोक नृत्य तथा शास्त्रीय नृत्य से विद्यालय प्रांगण में उपस्थित दर्शकों एवं विद्यार्थियों को मंत्र मुग्ध कर दिया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने हिन्दी के महत्व तथा हिन्दी विषयक रोजगार पर विस्तार से जानकारी दी। संस्कृत के विभागाध्यक्ष जनेन्द्र दीवान ने संस्कृत की प्राचीनता तथा प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत से शिक्षित व्यक्ति के लिए कभी भी रोजगार की समस्या नहीं होती, संस्कृत रोजगार का द्वार है। रसमड़ा विद्यालय के प्राचार्य एम.एल. चंदेल ने विस्तार गतिविधि के लिए रसमड़ा विद्यालय के चयन के लिए महाविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में रसमड़ा विद्यालय के व्याख्याता एन. जोशी, आर. दहरे, बी. बंजारे, एम.मांडवी, एस. हुमने, व्ही.वर्मा, व्ही.एल. नोरके, एन. जोशी तथा महाविद्यालय के डॉ. बलजीत कौर, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, डॉ. शारदा सिंह, डॉ. लता गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय एवं रसमड़ा विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे। जे.एस गावरे एवं डॉ. रजनीश उमरे ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का संचालन किया। एन.व्ही.एस. नलिन ने आभार व्यक्त किया।

00 दुर्ग। मात्स्यिकी
अनुसार दूर-दराज
पॉलीटेक्निक कॉलेज
उनके निवास हेतु ध
लिए किराए पर लिय
शासकीय नियमानुसा

नवभार
www.navabharat.
आवश्यक
ग्लोबल इंडिया प्राइ
कंपनी में 100 परसेंट
तत्काल परमानेंट
लड़कियों की आवश्य
कार्यानुसार-730
+11000+13500
लोगों को रहना-खा
फ्री, मार्कशीट की
2+फोटो बायोडाटा
संपर्क- भिलाई
ओवरब्रिज के
मेडिकल के बाजू में
91097-99525.
जेट-गो कंपन
डिपार्टमेंट) हेतु
(पक्की परमानें

"बाल देवो भवः"
हिंदी विभाग
हिंदी विभाग
संस्कृत विभाग एवं

संस्कृत विभाग एवं
राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई
विस्तार गतिविधि

हिंदी विभाग

राष्ट्रीय सेवा

ACTIVITY-3

प्रतिवेदन

साइंस कॉलेज दुर्ग में लोक कला एवं नाट्य पर का व्याख्यान का आयोजन

संस्कृत विभाग एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में साइंस कॉलेज दुर्ग में लोक कला एवं नाट्य पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ के रंगमंच कलाकार तथा छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकारों ने शिरकत की।

छत्तीसगढ़ी फिल्म के जाने-माने कलाकार श्री हेमलाल कौशल लोक गायिका एवं अभिनेत्री सुश्री मोना सेन तथा छत्तीसगढ़ी फिल्मों के अभिनेता मन कुरैशी साइंस कॉलेज दुर्ग में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम ए सिद्दीकी ने की।

कार्यक्रम में कलाकारों ने अपने जीवन के अनुभवों को विद्यार्थियों से साझा किया । श्री हेमलाल कौशल ने अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए बताया की निरंतर मेहनत आपकी किस्मत बदल सकती है ।इसलिए बिना देरी किए निरंतर मेहनत करना आपका स्वभाव होना चाहिए। इसी क्रम में सुश्री मोना सेन ने अपने उपलब्धि पर बातें की। अपने संघर्ष को बताते हुए उन्होंने बोला कि यह जीवन का एक हिस्सा है कि आप निरंतर मेहनत करो। लोग आलोचना करते हैं तो करने दीजिए। युवा अभिनेता मन कुरैशी ने विद्यार्थियों को अपनी कला को निखारने के लिए मेहनत करने के लिए कहा। अपने लोकप्रिय कलाकारों को अपने बीच पाकर विद्यार्थी बहुत प्रसन्न थे।

विद्यार्थियों ने अपने चाहते कलाकारों से सवाल भी किया ,जिनका अतिथियों ने सहजता से उत्तर दिया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ अभिनेश सुराणा उपस्थित थे। उन्होंने अतिथियों के संघर्षों को सराहते हुए मंजिल की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा लेने की बात की।

संस्कृत विभाग के प्राध्यापक जनेंद्र कुमार दीवान ने स्वागत भाषण दिया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर बलजीत कौर ने किया। कार्यक्रम का संचालन रजनीश उमरे ने किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
आयोजक - हिंदी एवं संस्कृत विभाग
दिनाँक: 18.01.2024

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
आयोजक - हिंदी एवं संस्कृत विभाग

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
आयोजक - हिंदी एवं संस्कृत विभाग
दिनाँक: 18.01.2024
सुश्री मोना सेन

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
आयोजक - हिंदी एवं संस्कृत विभाग
दिनाँक: 18.01.2024
सुश्री मोना सेन

ACTIVITY-4

प्रतिवेदन

संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 27/01/2024 को भारतीय ज्ञान परंपरा पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम संस्कृत के छात्र-छात्राओं ने संस्कृत में सरस्वती वंदना का गायन किया अतिथियों ने माता सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजन किया। तत्पश्चात् छात्र छात्राओं ने स्वागतगीत प्रस्तुत किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम ए सिद्दीकी ने इस अवसर पर संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल प्राचीन भाषा ही नहीं है अपितु वैज्ञानिक भाषा भी है । हमें इसे सीखना चाहिए। वक्ता के रूप में आचार्य धनंजय शास्त्री, स्वामी विरजानंद संस्कृतकुलम, नई दिल्ली ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि भारतीय ऋषि महर्षि प्राचीन काल से ही ज्ञान के प्रति बड़े सजग रहे हैं। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं छूटा जिस पर भारतीय मनीषियों ने चिंतन न किया हो। द्वितीय वक्ता :- डॉ बहुरन सिंह पटेल (सहायक प्राध्यापक)विभाग अध्यक्ष,व्याकरण शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर ने कहा कि भारत वर्ष उन्नति के सोपान को प्राप्त तभी प्राप्त करेगा जब भारतीय जीवन मूल्यों के साथ आगे बढ़े।

आज का विज्ञान केवल आज का सोचता है जबकि भारतीयचिंतन परंपरा स्थाई विकास को महत्व देता है। जिससे प्रकृति पर्यावरण सुरक्षित रहे।

कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रो जनेंद्र कुमार दीवान ने किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - भारतीय ज्ञान परंपरा
(पीएम उषा योजनान्तर्गत) दिनाँक: 27.01.2024
आयोजक - संस्कृत विभाग
वक्तागण
आचार्य धनंजय शास्त्री जातवेदा:
स्वामी विरजानंद संस्कृतकुलम, नई दिल्ली
डॉ. बहुरन सिंह पटेल
सहायक प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष व्याकरण
शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर
GPS Map Camera
मालवीय नगर, छत्तीसगढ़, भारत
57WW+GVH, दीपक नगर, मालवीय नगर, भिलाई, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196419°
Long 81.296796°
27/01/24 12:36 PM GMT +05:30
Google

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - भारतीय ज्ञान परंपरा
(पीएम उषा योजनान्तर्गत)
दिनाँक: 27.01.2024
आयोजक - संस्कृत विभाग
वक्तागण
आचार्य धनंजय शास्त्री जातवेदा:
स्वामी विरजानंद संस्कृतकुलम, नई दिल्ली
डॉ. बहुरन सिंह पटेल
सहायक प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष व्याकरण
शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर

ACTIVITY-5

प्रतिवेदन

संस्कृत के विद्यार्थियों ने महर्षि दयानंद संस्कृत महाविद्यालय कोसरंगी महासमुंद में किया ज्ञान का आदान-प्रदान

साइंस कॉलेज दुर्ग के संस्कृत के विद्यार्थियों ने महासमुंद जिले में स्थित महर्षि दयानंद संस्कृत महाविद्यालय का भ्रमण किया तथा ज्ञान का आदान-प्रदान किया।

विस्तार गतिविधि कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ .एम ए सिद्दीकी ने हरी झंडी दिखाकर विद्यार्थियों को रवाना किया। इस विस्तार गतिविधि कार्यक्रम में टीम मैनेजर के रूप में संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रो.जनेंद्र कुमार दीवान एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.मोती राम साहू तथा राजनीति विज्ञान विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ.राखी भारती के सहयोग से यह शैक्षणिक गतिविधि की बहुत अच्छी यात्रा रही । संस्कृत के छात्रों ने महर्षि दयानंद संस्कृत महाविद्यालय कोसरंगी महासमुंद में मंत्र पाठ, श्लोक पाठ एवं सूत्र पाठ जैसी संस्कृत की विधाओं का ज्ञान प्राप्त किया।

संस्था के वार्षिक समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। जिसमें पोखराज , क्षमा देवांगन की टीम के कर्मा नृत्य एवं सत एक मिरचन की टीम के पंथी नृत्य ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर टीम मैनेजर एनएसएस अधिकारी प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान, रेडक्रॉस सोसायटी प्रभारी प्रो. मोतीराम साहू तथा डॉ राखी भारती का साल श्री फल तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी प्रो जनेंद्र कुमार दीवान ने सभी विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए समय प्रबंधन को जरूरी बताया।

प्रो मोतीराम साहू ने कहा कि पहले आप अपना सही लक्ष्य निर्धारित कीजिए फिर आप योजना बद्ध तरीके से जीवन में आगे बढ़ते जाएंगे।

महाविद्यालय के प्राचार्य आचार्य मुकेश कुमार शास्त्री ने उनका संस्कृत साहित्य के विषय में मार्गदर्शन किया डॉ.अजय कुमार आर्य ने अपने उद्बोधन से प्रभावित किया।उन्होंने विद्यार्थियों को अपने प्रेरणादाई वचनों से प्रेरित किया। संस्कृत एवं एनएसएस के छात्रों ने लोक नृत्य प्रस्तुत किया तथा संस्था के विद्यार्थियों ने लघु संस्कृत नाटक से सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में संस्था के शिक्षक गण उपस्थित थे जिसमें आचार्य सुरेश कुमार शास्त्री ,आचार्य मनुदेव कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संस्कृत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने सेवा का कार्य भी किया जिसमें उन्होंने संस्था के वृद्ध आश्रम में रहकर संस्था की सफाई की तथा उनसे बहुत कुछ सीखा।

सभी ने स्वच्छता कार्यक्रम में अपना सहयोग प्रदान किया तथा वहां आए हुए अतिथियों के लिए व्यवस्था में भी सहयोग किया।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने खल्लारी माता मंदिर का परिचय पाया,जिसका महाभारत कालीन भीमपांव तथा नौका विराजमान है । वहां पर दर्शन किया तत्पश्चात चंडी मंदिर का दर्शन किया जिसमें विद्यार्थियों ने वहां के क्षेत्रीय सांस्कृतिक इतिहास को समझा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सत एक, रितिक ,पोखराज तथा सतीश चंद्राकर ने इस कार्यक्रम में अपने दल का नेतृत्व किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

महर्षि दयानन्द संस्कृत कॉलेज

जयन्ती समारोह

ACTIVITY-6

प्रतिवेदन

संस्कृत विभाग द्वारा 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन

साइंस कॉलेज दुर्ग के संस्कृत विभाग द्वारा 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें संस्कृत के प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को संस्कृत में संभाषण करने की जानकारी दी गई । महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से संस्कृत प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृत के प्रारंभिक चरण में अपना परिचय संस्कृत में देना सामान्य व्याकरण तथा सरल वाक्य का प्रशिक्षण दिया गया ,जिससे विद्यार्थी बहुत आसानी से संस्कृत में बातचीत करना आरंभ कर सकते हैं इस कार्यक्रम में संस्कृत के प्रशिक्षक श्री रंजीत शास्त्री जी ने सरलता से प्रशिक्षण आर्थियों को संस्कृत में संभाषण करना सिखाए ।कार्यक्रम में विविध प्रकार के आयोजन भी किए गए।

जिसमें विद्यार्थियों ने श्लोक पाठ तथा गीतों का गायन किया।

इस 10 दिवसीय कार्यक्रम में बीच-बीच में संस्कृत के जाने-माने विद्वानों का आगमन हुआ जिसमें डॉ बहुरन सिंह पटेल संस्कृत महाविद्यालय रायपुर ने विद्यार्थियों को संस्कृत के बारे में जानकारी दी ।डॉक्टर महेश कुमार अलेंद्र वैशाली नगर कॉलेज भिलाई ने अपने उद्बोधन में संस्कृत का महत्व बताया ।

समापन में डॉ महेश चंद्र शर्मा ने अपनी उपस्थिति देखकर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया । कार्यक्रम के संयोजक विभाग अध्यक्ष संस्कृत जनेंद्र कुमार दीवान ने सभी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए प्रशिक्षक रंजीत शास्त्री का आभार व्यक्त किया।

प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान

संस्कृत विभाग

(विभागाध्यक्ष)

संस्कृत संभाषण शिविर में सभी वर्ग के लोग सीख रहे संस्कृत में बोलना

साइंस कॉलेज में सोमवार को शिविर का उद्घाटन, संस्कृत का महत्व बताया

एजुकेशन रिपोर्टर| भिलाई

साइंस कॉलेज में 22 मई से संस्कृत संभाषण शिविर लगाया गया है। 31 मई तक चलने वाले शिविर में सभी वर्ग के लोग शामिल हो रहे हैं। उन्हें संस्कृत का महत्व के साथ संस्कृत में बोलने और लिखने की कला सिखाई जा रही है। शिविर का उद्घाटन करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि संस्कृत सबसे प्राचीन तथा वैज्ञानिक भाषा है। हम सबको गर्व होना चाहिए कि विश्व की सबसे प्राचीन पुस्तक ऋग्वेद है। हमें अपनी इस विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए संस्कृत का अध्ययन करना होगा। उसमें उपलब्ध ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाना होगा।

विषय विशेषज्ञ संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. बहुरन सिंह पटेल ने कहा कि संस्कृत न केवल योग एवं आयुर्वेद की भाषा है, अपितु संस्कृत में रसायन शास्त्र, खगोल विद्या, भूगोल विद्या, नक्षत्र विद्या, भौतिक शास्त्र, वनस्पति शास्त्र तथा ऐसी अनेक विद्याएं शामिल हैं। हमें उन विद्याओं को आधुनिक शिक्षा के साथ उपलब्ध कराना है। आज बीएएमएस के विद्यार्थी चरक संहिता, सुश्रुत संहिता के कुछ अंश पढ़ते हैं, परंतु लोगों को यह नहीं पता यह संस्कृत साहित्य के ही महत्वपूर्ण अंश हैं। वैशाली नगर के प्रो. महेश कुमार अलेंद्र ने विद्यार्थियों को संस्कृत का महत्व बताया। शिविर के मुख्य प्रशिक्षक आचार्य रणजीत शास्त्री ने संस्कृत के विशाल एवं समृद्ध साहित्य परंपरा का उल्लेख किया। उसकी वैयाकरणिक वैज्ञानिकता की जानकारी दी। इससे पहले महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। इसमें ईश्वरी देवांगन, संध्या बघेल, खिलुदास, मोरध्वज, सतेक, प्रतिमा, रूपाली पटेल आदि का सहयोग है।

प्रभारी प्राचार्य ने संस्कृत शिविर का उद्घाटन किया, उपस्थित अतिथि।

प्रति,

प्राचार्य,
शास.वि.या.ता.स्नातकोत्तर स्वशासी महावि.
जिला– दुर्ग (छ.ग.)

विषयः – प्रेमचंद जयंती पर व्याख्यान आयोजन हेतु अनुमति।

––0––

महोदय,

निवेदन है कि दिनांक 31 जुलाई 2023, सोमवार को प्रेमचंद जयंती है इस अवसर पर हिन्दी विभाग द्वारा महाविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया जाना है, इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. थानसिंह वर्मा सेवानिवृत्त प्राध्यापक को आमंत्रित किया जाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता आपके द्वारा किया जायेगा।

इस कार्यक्रम हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेगें।

25.7.2023

डॉ. अभिनेष सुराना
(विभागाध्यक्ष हिन्दी)
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 25.07.2023

अनुमति प्रदत्त
25-7-23

प्राचार्य
शास. व्ही. वाय. टी. पी. जी. स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दुर्ग, दिनांक 25/07/2023

हिन्दी विभाग

सूचना

प्रेमचंद जयंती समारोह 2023

विषय : प्रेमचंद : सर्जक एवं विचारक

वक्ता : प्रो. थानसिंह वर्मा सेवानिवृत्त प्राध्यापक

अध्यक्षता : डॉ. आर.एन. सिंह, प्राचार्य

स्थान : विवेकानंद सभागार

दिनांक : 31 जुलाई 2023

समय : प्रातः 11.30 बजे

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थीगण, शोधार्थीगण, प्राध्यापकगण की उपस्थिति अपेक्षित है।

25.7.2023
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष – हिन्दी
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महाविद्यालय

प्राचार्य
शास.दुर्ग. स्ना. टी. पी. जी. स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दुर्ग, दिनांक 25 / 07 / 2023

हिन्दी विभाग

सूचना

प्रेमचंद जयंती समारोह 2023

विषय : प्रेमचंद : सर्जक एवं विचारक

वक्ता : प्रो. थानसिंह वर्मा सेवानिवृत्त प्राध्यापक

अध्यक्षता : डॉ. आर.एन. सिंह, प्राचार्य

स्थान : विवेकानंद सभागार

दिनांक : 31 जुलाई 2023

समय : प्रातः 11.30 बजे

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थीगण, शोधार्थीगण, प्राध्यापकगण की उपस्थिति अपेक्षित है।

25.7.2023

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष – हिन्दी
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास. वी. वाय. टी. पी. जी. स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिंदी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग छ.ग.

प्रतिवेदन 31-07-2023

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद जयंती के अवसर पर **'प्रेमचंद सर्जक एवं विचारक'** शीर्षक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि सेवा-निवृत्त प्राध्यापक **श्री थान सिंह वर्मा** थे । कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना ने कहा कि प्रेमचंद के लेखन में यथार्थ और आदर्श का समन्वय है। उनका कथा-साहित्य यथार्थ की जमीन पर लिखा गया आदर्शवादी साहित्य है। उनके उपन्यासों में मर्यादा, आदर्श, करुणा, कर्तव्य, समाज-सुधार, प्रेम, देश-भक्ति, सत्याग्रह, अहिंसा, स्त्री-समस्या, मध्यवर्गीय व्यक्ति की त्रासदी, कृषक जीवन की समस्याएं, मेहनतकश आमजन का संघर्ष आदि विषयों का संवेदनशील प्रभावोत्पादक चित्रण हुआ है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाएं आज भी प्रासंगिक है। प्रेमचंद के साहित्य में भारतीय समाज का यथार्थ का चित्रण है। प्रेमचंद के कथा-साहित्य में उनके युग परिवेश का वास्तविक चित्रण है। भविष्य जब प्रेमचंद युग की ओर देखेगा तब प्रेमचंद का कथा साहित्य उन्हें इस युग की वास्तविकता से परिचित करायेगा।

मुख्य वक्ता प्रो. थानसिंह वर्मा का परिचय देते हुए आलोचक जयप्रकाश ने कहा कि प्राध्यापक पद से सेवानिवृत्त वर्मा जी छात्र जीवन से ही साहित्य एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से जुड़े रहे वे मूलतः क्रांतिकारी स्वभाव के है। शासकीय सेवा में अध्यापक सीमाओं से बंधे रहे वर्मा जी अब स्वतंत्र हैं । वे शुरू से विभिन्न साहित्यिक संगठनों से जुड़े रहे अब उनके पास समाज और साहित्य के लिए पर्याप्त समय है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता **श्री थान सिंह वर्मा** ने कहा कि प्रेमचंद, कथाकार के साथ एक विचारक भी थे। उनकी कहानियों तथा उपन्यासों में अपने समय के समाज को बदलने की वैचारिक चेतना मौजूद है। गबन उपन्यास में वे देवीदीन खटिक के माध्यम से सवाल खड़ा करते हैं कि" जब तुम सुराज का नाम लेते हो तुम्हारी आँखों के सामने स्वाराज का कौन सा चित्र उभरता है ? "प्रेमचंद के लिए स्वराज का मतलब केवल अंग्रेजी राज से मुक्ति नहीं है बल्कि उनके के लिए स्वराज का मतलब राजनीतिक आजादी के साथ आर्थिक, सामाजिक आजादी से है जिसमें किसानों, मजदूरों, दलितों आदिवासियों, शोषित, वंचित सबके लिए जगह होगी। प्रेमचंद ने भारतीय समाज के मनोविज्ञान को बदलने का काम किया, उनमें मानवीय संवेदना जगाया। प्रेमचंद ने दलित, शोषित किसानों, मजदूरों की वकालत करते हुए कहा कि उन्हे भी इंसान समझकर समाज में सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार दिया जाए । यदि ऐसा नहीं होता है तो वे अपना अधिकार संघर्ष कर हासिल करें। इसके लिए उन्हें शिक्षित और संगठित होने की बात कही । जिन बातों को वे अपने कथा साहित्य में नहीं कह पा रहे थे उसके लिए उन्होने पत्रकारिता का सहारा लिया। हंस, जागरण, जमाना जैसी पत्र-पत्रिकाओं में लेख तथा निबंध लिखकर प्रेमचंद ने समकालीन समाजिक व्यवस्था पर सार्थक हस्तक्षेप किया। साम्प्रदायिकता, पूँजीवाद, सामंती शोषण, धार्मिक कर्मकांड, अंधविश्वास, स्वाधीनता आन्दोलन, सामुदायिक एकता, राष्ट्रीयता, तथा राष्ट्रवाद, स्वराज का स्वरुप, किसानों के सवालों को अपने लेखों, निबंधो के माध्यम से उठाया तथा भारतीय समाज को वैचारिक दिशा प्रदान की। प्रेमचंद जी ने अपनी रचनाओं के माध्यम तत्कालीन समाज की सुसप्त चेतना को झकझोर कर जगाया, उनमें संवेदना पैदा की। इसीलिए प्रेमचंद का साहित्य समूचे भारतीय का अमूल्य विरासत है।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में डॉ रजनीश उमरे, डॉ सरिता मिश्र, डॉ ओमकुमारी देवांगन, प्रियंका यादव, बेलमती, लक्ष्मीन चौहान, निर्मला पटेल, तरुण साहू, युगेश देशमुख, जितेंद्र कुमार साहू, संग्राम सिंह निराला के साथ बड़ी संख्या में हिन्दी साहित्य के शोधार्थी व महाविद्ध्यालय के विद्ध्यार्थी शामिल थे

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा चटर्जी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बलजीत कौर ने किया ।

रायपुर • बुधवार • 02.08.2023
navabharat.news

न्यूज डायरी

प्रेमचंद जयंती पर साइंस कॉलेज में व्याख्यान

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद जयंती के अवसर पर प्रेमचंद सर्जक एवं विचारक शीर्षक पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राध्यापक थान सिंह वर्मा थे। स्वागत भाषण में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि प्रेमचंद के लेखन में यथार्थ और आदर्श का समन्वय है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाएं आज भी प्रासंगिक है। प्रेमचंद के कथा साहित्य में उनके युग परिवेश का वास्तविक चित्रण है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थान सिंह वर्मा ने कहा कि प्रेमचंद कथाकार के साथ एक विचारक भी थे। उनकी कहानियों तथा उपन्यासों में अपने समय के समाज को बदलने की वैचारिक चेतना मौजूद है। कार्यक्रम में डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, प्रियंका यादव, बेलमती, लक्ष्मीन चौहान, निर्मला पटेल, तरुण साहू, युगेश देशमुख, जितेंद्र कुमार साहू, संग्राम सिंह निराला के साथ बड़ी संख्या में हिन्दी साहित्य के शोधार्थी व महाविद्यालय के विद्यार्थी शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा चटर्जी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बलजीत कौर ने किया।

प्रेमचंद की रचनाएं भारत की अमूल्य विरासत : वर्मा

दुर्ग, 1 अगस्त (देशबन्धु)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद जयंती के अवसर पर प्रेमचंद सर्जक एवं विचारक शीर्षक व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त प्राध्यापक थान सिंह वर्मा थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना ने कहा कि प्रेमचंद के लेखन में यथार्थ और आदर्श का समन्वय है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डा. आर. एन. सिंह ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाएं आज भी प्रासंगिक हैं। प्रेमचंद के साहित्य में भारतीय समाज का यथार्थ का चित्रण है। प्रेमचंद के कथा साहित्य में उनके युग परिवेश का वास्तविक चित्रण है। भविष्य जब प्रेमचंद युग की ओर देखेगा तब प्रेमचंद का कथा साहित्य उन्हें इस युग की वास्तविकता से परिचित करायेगा।

मुख्य वक्ता प्रो. थानसिंह वर्मा का परिचय आलोचक जयप्रकाश ने दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थान सिंह वर्मा ने कहा कि प्रेमचंद कथाकार के साथ एक विचारक भी थे। उनकी कहानियां तथा उपन्यासों

> > शेष पृष्ठ 9 पर >

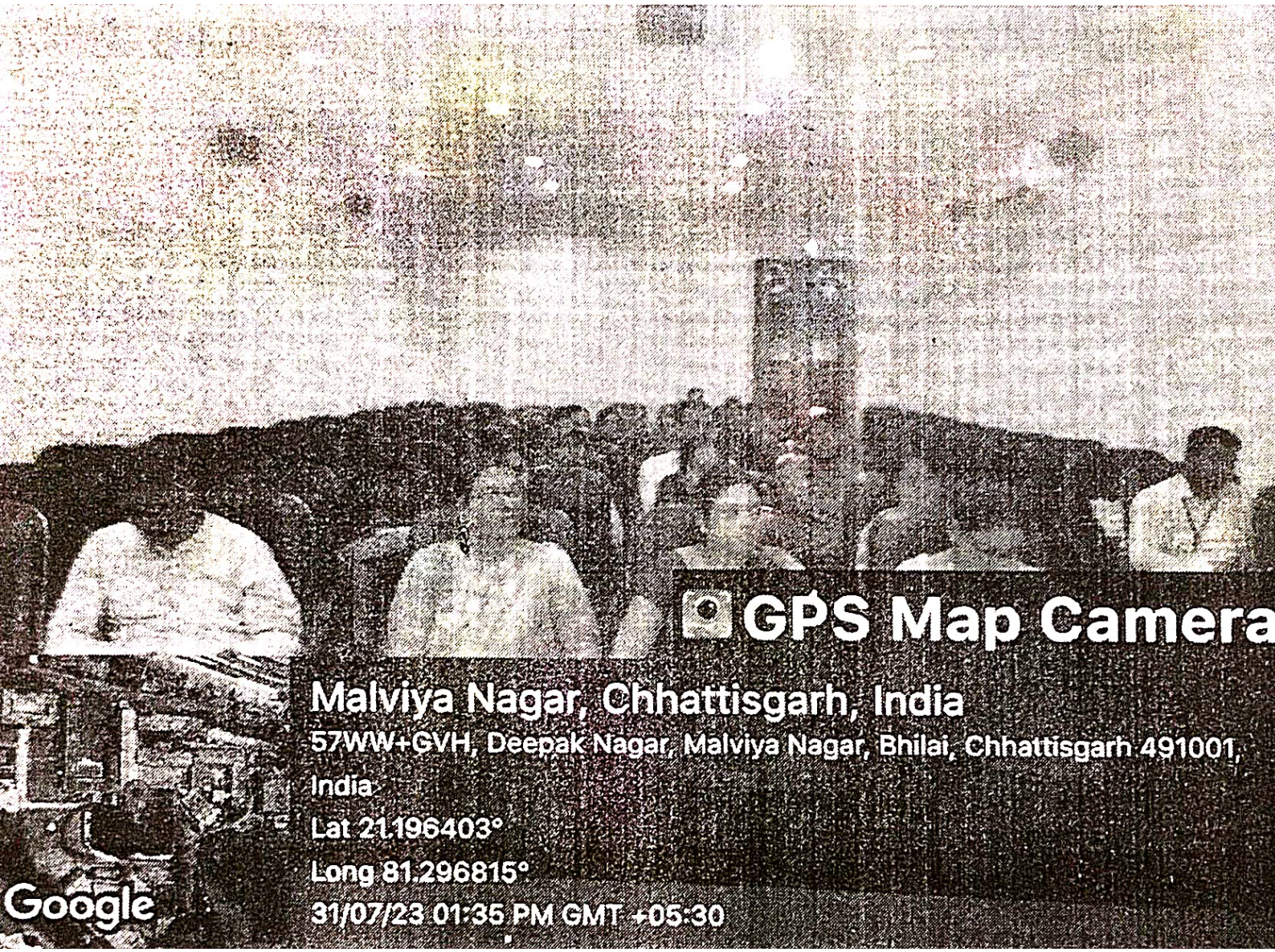
GPS Map Camera
Malviya Nagar, Chhattisgarh, India
57WW+GVH, Deepak Nagar, Malviya Nagar, Bhilai, Chhattisgarh 491001, India
Lat 21.196403°
Long 81.296815°
31/07/23 01:35 PM GMT +05:30
Google

हिन्दी विभाग, शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

दिनांक : 16. अगस्त, 2023

प्रति,

प्राचार्य,

शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

विषय : हरिशंकर परसाई जयंती के आयोजन हेतु अनुमति के सम्बन्ध में.

महोदय,

हिन्दी विभाग के अकादमिक कैलेंडर के अनुसार आगामी 22 अगस्त, 2023 को हरिशंकर परसाई की जयंती का आयोजन किया जाना है. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में [प्रख्यात व्यंग्यकार श्री विनोद साव को आमंत्रित किये जाने का प्रस्ताव है. निवेदन है कि कृपया इस आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें.

इस आयोजन हेतु 2000 (दो हजार रुपये) की राशि व्यय होने की संभावना है. कृपया उक्त राशि स्वीकृत करने का कष्ट करें.

साभार !

16/8/2023

डॉ. अभिनेष सुराना

विभागाध्यक्ष, हिन्दी

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग, शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

दिनांक : 16. अगस्त, 2023

प्रति,

प्राचार्य,

शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

विषय : हरिशंकर परसाई जयंती के आयोजन हेतु अनुमति के सम्बन्ध में.

महोदय,

हिन्दी विभाग के अकादमिक कैलेंडर के अनुसार आगामी 22 अगस्त, 2023 को हरिशंकर परसाई की जयंती का आयोजन किया जाना है. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात व्यंग्यकार श्री विनोद साव को आमंत्रित किये जाने का प्रस्ताव है. निवेदन है कि कृपया इस आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें.

इस आयोजन हेतु 2000 (दो हजार रुपये) की राशि व्यय होने की संभावना है. कृपया उक्त राशि स्वीकृत करने का कष्ट करें.

साभार !

16/8/2023

डॉ. अभिनेष सुराना

विभागाध्यक्ष, हिन्दी

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt V Y T P G Autonomous
College Durg (C.G.)

हिन्दी विभाग, शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

दिनांक : 16. अगस्त, 2023

हिन्दी विभाग का आयोजन
हरिशंकर परसाई शताब्दी समारोह
व्याख्यान : श्री विनोद साव, प्रख्यात व्यंग्यकार
विषय :- 'हिन्दी- व्यंग्य और हरिशंकर परसाई'
अध्यक्षता : डॉ. आर. एन. सिंह, प्राचार्य

सूचना

हिन्दी बिभाग के तत्वावधान में दिनांक 22 अगस्त, 2023 को हरिशंकर परसाई शताब्दी समारोह के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है. इस आयोजन में महाविद्यालय के विद्यार्थी, शोधछात्र एवं अध्यापक आमंत्रित हैं.

स्थान : विवेकानंद सभागार
समय : पूर्वाह्न 11.00 बजे

16.8.2023
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष, हिन्दी
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

डॉ. आर. एन. सिंह
प्राचार्य
Principal
Govt.V.Y.T.P.G Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}

नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज

फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,

Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 22.08.2023

प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के जन्म शताब्दी के अवसर पर "हरिशंकर परसाई के व्यंग्य साहित्य" पर केंद्रित व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं अतिथियों का स्वागत किया गया तथा विनोद साव के नव प्रकाशित संग्रह 'विनोद साव की चयनित व्यंग्य रचनाएँ' का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया।

अपने स्वागत उद्‌बोधन में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने परसाई के रचना संसार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परसाई जी हिंदी के पहले रचनाकार थे जिन्होंने व्यंग्य को विधा का दर्जा दिलाया। उनकी रचनाएँ सामाजिक पाखंड और रूढ़िवाद की खिल्ली उड़ाते हुए विवेक और विज्ञान सम्मत दृष्टि को सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करती है।

डॉ. जय प्रकाश ने अपने वक्तव्य में बताया कि सबसे अधिक पढ़े जाने वाले लेखकों में प्रेमचंद एवं परसाई की गणना की जाती है। उनके लेखों में उनके प्रतिकार का रूप स्पष्ट दिखलाई देता है। उनकी रचनाएँ नश्तर की भाँति चुभने वाली हैं। अपनी रचना के माध्यम से परसाई जी जनता से सीधे संवाद करते थे।

हिंदी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका बलजीत कौर ने मुख्य वक्ता विनोद साब का परिचय दिया । अपने वक्तत्व में अतिथि वक्ता विनोद साव ने हिंदी व्यंग्य एवं हरिशंकर परसाई पर अपने विचार रखते हुए कहा कि परसाई के लेखन में जीवन अनुभव के अनेक सूत्र भरे हैं, इसलिए वे सामान्य पाठकों को भी आकर्षित करते हैं। हिंदी भाषियों के लिए गर्व की बात है कि दुनिया की किसी भी भाषा में परसाई जैसा समर्थ व्यंग्यकार नहीं हुआ। वे छोटी रचनाएँ लिखकर बड़े रचनाकार हुए। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.एन. सिंह ने परसाई जी से जुड़े अपने जीवन संस्मरणों की चर्चा कहते हुए जानकारी दी कि सागर विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान परसाई जी के साथ टहलते–घूमते उनके विचारों एवं साहित्य से परिचय प्राप्त करने का अवसर मिला। वे प्रतिकार के रचनाकार थे।

इस अवसर पर महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र अजय साहू को महाविद्यालय परिवार द्वारा सम्मान हेतु आमंत्रित किया गया था। अजय साहू का परिचय देते हुए उनके मित्र एवं महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. रजनीश उमरे ने जानकारी दी कि श्री साहू का चयन रूस की राजधानी मास्को में तीन वर्षों के लिए हिंदी अध्यापक के रूप में केंद्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली द्वारा किया गया है। यह महाविद्यालय के साथ–साथ दुर्ग शहर और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के शोधार्थी एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भी परसाई जी पर अपना मंतव्य रखा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्राध्यापक ओमकुमारी देवांगन, सरिता मिश्रा, प्रियंका यादव, शारदा सिंह, लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा चटर्जी ने एवं आभार प्रदर्शन अन्नपूर्णा महतो ने किया।

प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}

नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज

फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,

Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 22.08.2023

प्रेस विज्ञप्ति

शासकीय विश्वनाथ यादव तमस्कर स्वशासी विद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई के जन्म शताब्दी के अवसर पर "हरिशंकर परसाई के व्यंग्य साहित्य" पर केंद्रित व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं अतिथियों का स्वागत किया गया तथा विनोद साव के नव प्रकाशित संग्रह ष्विनोद साव की चयनित व्यंग्य रचनाएँष् का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया।

अपने स्वागत उद्बोधन में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना में परसाई के रचना संसार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परसाई जी हिंदी के पहले रचनाकार थे जिन्होंने व्यंग्य को विधा का दर्जा दिलाया। उनकी रचनाएँ सामाजिक पाखंड और रूढ़िवाद की खिल्ली उड़ाते हुए विवेक और विज्ञान सम्मत दृष्टि को सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करती है।

डॉ. जय प्रकाश ने अपने वक्तव्य में बताया कि सबसे अधिक पढ़े जाने वाले लेखकों में प्रेमचंद एवं परसाई की गणना की जाती है। उनके लेखो में उनके प्रतिकार का रूप स्पष्ट दिखलाई देता है। उनकी रचनाएँ नश्तर की भाँति चुभने वाली हैं। अपनी रचना के माध्यम से परसाई जी जनता से सीधे संवाद करते थे।

हिंदी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका बलजीत कौर ने मुख्य वक्ता विनोद साब का परिचय दिया । अपने वक्तत्व में अतिथि वक्ता विमोद साव ने हिंदी व्यंग्य एवं हरिशंकर परसाई पर अपने विचार रखते हुए कहा कि परसाई के लेखन में जीवन अनुभव के अनेक सूत्र भरे हैं, इसलिए वे सामान्य पाठको को भी आकर्षित करते हैं। हिंदी भाषियों के लिए गर्व की बात है कि दुनिया की किसी भी भाषा में परसाई जैसा समर्थ व्यांधकार नहीं हुआ। वे छोटी रचनाएँ लिखकर बड़े रचनाकार हुए। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.एन. सिंह ने परसाई जी से जुड़े अपने जीवन संस्मरणों की चर्चा कहते हुए जानकारी दी कि सागर विश्वविद्यालय में अध्ययन के दौरान परसाई जी के साथ टहलते–घूमते उनके विचारों एवं साहित्य से परिचय प्राप्त करने का अवसर मिला। वे प्रतिकार के रचनाकार थे।

इस अवसर पर महाविद्यालय भूतपूर्व छात्र अजय साहू को महाविद्यालय परिवार द्वारा सम्मान हेतु आमंत्रित किया गया था। अजय साहू का परिचय देते हुए उनके मित्र एवं महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. रजनीरा उमरे ने जानकारी दी कि श्री साहू का चयन रूम की राजधानी मास्को में तीन वर्षों के लिए हिंदी अध्यापक के रूप में केंद्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली द्वारा किया गया है। यह महाविद्यालय के साथ–साथ दुर्ग शहर और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के शोधार्थी एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भी परसाई जी पर अपना मंतव्य रखा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्राध्यापक ओमकुमारी देवांगन, सरिता मिश्रा, प्रियंका यादव, शारदा सिंह, लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा चटजी ने एवं आभार प्रदर्शन अन्नपूर्णा महतो ने किया।

प्रति,

संपादक/ब्यूरो चीफ

दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

प्राचार्य

हिन्दी - विभाग
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग, छत्तीसगढ़

प्रति,

प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग, छत्तीसगढ़।

विषय :- दिनांक 08-09-23 को **हिन्दी-विभाग** द्वारा व्याख्यान हेतु अनुमति बाबत

मान्यवर,

निवेदन है कि हिन्दी विभाग द्वारा **08-09-23** को व्याख्यान प्रस्तावित है । यह कार्यक्रम विवेकानंद सभागृह में होना है । इस कार्यक्रम में **अतिथिवक्ता** के रूप में साहित्यकार **ईश्वरसिंह 'दोस्त' (अध्यक्ष, साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़)** को आमंत्रित किया जाना है । व्याख्यान का विषय **साहित्य का लोकतंत्र** होगा । व्याख्यान हेतु देय राशि **स्वीकृत करने की कृपा करें ।**

कृपया अनुमति प्रदान करें ।

A/c Permitted

06.8.2023

विभागाध्यक्ष

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी - विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय

दुर्ग, छत्तीसगढ़

06-09-2023

सूचना

एम.ए. हिन्दी के समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 08-09-2023 को प्रात: 11.00 बजे स्नातकोत्तर **हिन्दी साहित्य-परिषद** का उद्घाटन कार्यक्रम विवेकानंद सभागार आयोजित है । इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि साहित्यकार **ईश्वर सिंह 'दोस्त' साहित्य का लोकतंत्र (अध्यक्ष, साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़)** विषय पर वक्तव्य देंगे । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह करेंगे ।

इस कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है ।

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

6/8/2023

विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिंदी विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

आमंत्रण

हिंदी साहित्य परिषद उद्घाटन समारोह

दि. 6 सितंबर, 2023

महाविद्यालय की हिंदी साहित्य परिषद का उद्घाटन समारोह दिनांक 8.9.2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे आयोजित है।

मुख्य अतिथि : **डॉ. ईश्वर सिंह दोस्त**

(अध्यक्ष, साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद, रायपुर)

स्थान : विवेकानंद सभागार

इस अवसर पर **'साहित्य का लोकतंत्र'** विषय पर डॉ. ईश्वर सिंह दोस्त व्याख्यान देंगे। महाविद्यालय के प्राध्यापक और विद्यार्थी इस आयोजन में आमंत्रित हैं।

6/8/2023

विभागाध्यक्ष

डॉ. अभिनेष सुराना

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.

महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य

Principal

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous

College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 08.09.2023

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य सत्ता का पोषक नहीं होता

हिंदी विभाग द्वारा साहित्य परिषद का गठन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा साहित्य परिषद का गठन किया गया इस अवसर पर "साहित्य का लोकतंत्र" विषय पर केंद्रित व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर सिंह 'दोस्त' थे कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ एस.एन.झा ने की कार्यक्रम के प्रारंभ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण-दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया तत्पश्चत विभाग के सदस्यों द्वारा अतिथि एवं प्राचार्य का स्वागत किया गया।

अपने स्वागत उद्बोधन में हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने साहित्य परिषद गठन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए तथा विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि लोकतंत्र मानवीय मूल्यों पर आधारित है साहित्य का सर्जक हमेशा आम व्यक्ति होता है, वह अपने अनुभव, अध्ययन, चिंतन एवं मनन से जब विचार करता है तब वह सर्जक की भूमिका का निर्वाह करता है साहित्य कभी भी सत्ता का पोषक नहीं होता उसका पक्ष सदा प्रतिपक्ष का होता है।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ एस.एन.झा ने साहित्य परिषद के पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की साहित्य परिषद के अध्यक्ष के रूप में ओमप्रकाश एम ए तृतीय सेमेस्टर, उपाध्यक्ष इंदू एम ए प्रथम सेमेस्टर, सचिव भूषण रावटे एम ए तृतीय सेमेस्टर, सहसचिव भूमिका ध्रुव एम ए प्रथम सेमेस्टर मनोनीत किए गए। पदाधिकारी को शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने का तथा दायित्व निर्वहन करने का अवसर देता है युवाओं में ऊर्जा होती है, यह पद उन्हें अपनी उर्जा दिखाने का अवसर भी देता है। आलोचक डॉ. जयप्रकाश ने अतिथि वक्ता का परिचय देते हुए विषय पर अपना संक्षिप्त मंतव्य रखा।

मुख्य अतिथि की आसंदी से अपने विचार रखते हुए साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर सिंह दोस्त ने शब्दों के अर्थ और मर्म तथा व्यवहार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजनीति और लोकतंत्र शब्द के मायने बदल गए हैं लोकतंत्र अपने मूल स्वभाव और अर्थ में अराजक नहीं है तथा राजनीति शब्द भी एक सार्थक अर्थ देता है। आधुनिक साहित्य में व्यक्ति ही प्रमुख है, व्यक्ति का संघर्ष समुदाय समाज तथा अपने आप से भी है साहित्य में व्यक्ति, समुदाय और समाज का प्रतीक और प्रतिनिधि है व्यक्ति के जीवन का अनुभव साहित्य की रचनात्मकता का स्रोत है।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के शोधार्थी एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में ओमप्रकाश तथा मोरध्वज ने मंच से अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्राध्यापक प्रो. अन्नपूर्णा महतो, डॉ पद्मावती, प्रो. जैनेंद्र दीवान, डॉ. रजनीश उमरे, डॉ ओमकुमारी देवांगन, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ शारदा सिंह, डॉ लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में महाविद्यालय के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा चटर्जी ने एवं प्राध्यपिका डॉ. बलजीत कौर ने आभार प्रकट किया।

प्रति,

संपादक/ब्यूरो चीफ
दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

8.9.23

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 08.09.2023

प्रतिवेदन

साहित्य सत्ता का पोषक नहीं होता

हिंदी विभाग द्वारा साहित्य परिषद का गठन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा साहित्य परिषद का गठन किया गया इस अवसर पर "साहित्य का लोकतंत्र" विषय पर केंद्रित व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर सिंह 'दोस्त' थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ एस.एन.झा ने की । कार्यक्रम के प्रारंभ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण-दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया तत्पश्चत विभाग के सदस्यों द्वारा अतिथि एवं प्राचार्य का स्वागत किया गया।

अपने स्वागत उद्बोधन में हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने साहित्य परिषद गठन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए तथा विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि लोकतंत्र मानवीय मूल्यों पर आधारित है । साहित्य का सर्जक हमेशा आम व्यक्ति होता है, वह अपने अनुभव, अध्ययन, चिंतन एवं मनन से जब विचार करता है तब वह सर्जक की भूमिका का निर्वाह करता है। साहित्य कभी भी सत्ता का पोषक नहीं होता । उसका पक्ष सदा प्रतिपक्ष का होता है।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ एस.एन.झा ने साहित्य परिषद के पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की साहित्य परिषद के अध्यक्ष के रूप में ओमप्रकाश एम ए तृतीय सेमेस्टर, उपाध्यक्ष इंदू एम ए प्रथम सेमेस्टर, सचिव भूषण रावटे एम ए तृतीय सेमेस्टर, सहसचिव भूमिका ध्रुव एम ए प्रथम सेमेस्टर मनोनीत किए गए। पदाधिकारी को शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने का तथा दायित्व निर्वहन करने का अवसर देता है । युवाओं में ऊर्जा होती है, यह पद उन्हें अपनी उर्जा दिखाने का अवसर भी देता है। आलोचक डॉ. जयप्रकाश ने अतिथि वक्ता का परिचय देते हुए विषय पर अपना संक्षिप्त मंतव्य रखा।

मुख्य अतिथि की आसंदी से अपने विचार रखते हुए साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर सिंह दोस्त ने शब्दों के अर्थ और मर्म तथा व्यवहार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजनीति और लोकतंत्र शब्द के मायने बदल गए हैं । लोकतंत्र अपने मूल स्वभाव और अर्थ में अराजक नहीं है तथा राजनीति शब्द भी एक सार्थक अर्थ देता है। आधुनिक साहित्य में व्यक्ति ही प्रमुख है, व्यक्ति का संघर्ष समुदाय समाज तथा अपने आप से भी है । साहित्य में व्यक्ति, समुदाय और समाज का प्रतीक और प्रतिनिधि है । व्यक्ति के जीवन का अनुभव साहित्य की रचनात्मकता का स्रोत है।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के शोधार्थी एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में ओमप्रकाश तथा मोरध्वज ने मंच से अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्राध्यापक प्रो. अन्नपूर्णा महतो, डॉ पद्मावती, प्रो. जैनेंद्र दीवान, डॉ. रजनीश उमरे, डॉ ओमकुमारी देवांगन, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ शारदा सिंह, डॉ लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में महाविद्यालय के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा चटर्जी ने एवं प्राध्यपिका डॉ. बलजीत कौर ने आभार प्रकट किया।

प्रति,

संपादक/ब्यूरो चीफ
दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

8-9-23

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

हिंदी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग छत्तीसगढ़

दिनांक 28-10-23

प्रति,

प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग, छत्तीसगढ़ा

विषय :- दिनांक 30-10-23 को भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान बाबत

मान्यवर,

निवेदन है कि हिन्दी विभाग द्वारा 30-10-23 को भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान का कार्यक्रम प्रस्तावित है । इस कार्यक्रम में वक्ता के रूप डॉ.प्रेमलता देवी, प्राध्यापक हिन्दी अध्ययन केंद्र (भाषा एवं संस्कृति) गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान देंगी ।

कृपया अनुमति प्रदान करें ।

Principal
Govt. V.Y.T.PG.Auto. College
Durg (C.G.)

28.10.2023

विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

दिनांक 28-10-23

सूचना

दिनांक 30-10-23 को महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है

वक्ता : डॉ.प्रेमलता देवी,
प्राध्यापक
हिन्दी अध्ययन केंद्र (भाषा एवं संस्कृति)
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर

स्थान : राधाकृष्णन सभागार

दिनांक : 30 अक्टूबर, 2023

समय : 11.00 बजे

इस आयोजन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी आमंत्रित हैं।

28.10.2023
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt. V. Y. T. PG. Auto. College
Durg (C.G.)

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

दिनांक 28-10-23

सूचना

दिनांक 30-10-23 को महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है

वक्ता : डॉ.प्रेमलता देवी,
प्राध्यापक
हिन्दी अध्ययन केंद्र (भाषा एवं संस्कृति)
गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर

स्थान : राधाकृष्णन सभागार
दिनांक : 30 अक्टूबर, 2023
समय : 11.00 बजे

इस आयोजन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी आमंत्रित हैं।

विभागाध्यक्ष हिन्दी **प्राचार्य**

हिंदी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग छत्तीसगढ़

दिनांक 28-10-23

प्रति,

प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग, छत्तीसगढ़ा

विषय :- दिनांक 30-10-23 को भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान बाबत

मान्यवर,

निवेदन है कि हिन्दी विभाग द्वारा 30-10-23 को भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान का कार्यक्रम प्रस्तावित है । इस कार्यक्रम में वक्ता के रूप डॉ.प्रेमलता देवी, प्राध्यापक हिन्दी अध्ययन केंद्र (भाषा एवं संस्कृति) गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर, भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान देंगी ।

कृपया अनुमति प्रदान करें ।

विभागाध्यक्ष

हिन्दी विभाग
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 30.10.2023

प्रतिवेदन

बहुआयामी भारतीय संस्कृति – प्रेमलता देवी

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा "भारतीयसंस्कृति" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात, गांधी नगर में पदस्थ सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रेमलता देवी थी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. कृष्णा चटर्जी ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में मुख्य वक्ता का परिचय सभागार में उपस्थित श्रोताओं को दिया।

भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान देते हुए डॉ. प्रेमलता देवी ने कहा कि अपने वजूद को बचाये रखने के लिए हमें अपनी संस्कृति को बचाए रखना है। वसुदैव कौटुम्बकम हमारा आदर्श और दृष्टिकोण है, जो हमारी जीवन शैली का अंग और संस्कार है। सर्वेभवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरायमय यहॉ की शिक्षा और संस्कार का अंग है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह एवं हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने प्रमुख वक्ता डॉ. प्रेमलता देवी के स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का आभार वक्तव्य में डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि भारतीय संस्कृति का विश्व संस्कृति में अहम स्थान है। भारतीय संस्कृति विश्व संस्कृति को प्रभावित करता है।

उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. सलूजा मैडम, डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. कुलकर्णी मैडम, डॉ. जय प्रकाश साव, प्रो. अन्नपूर्णा महतो, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. ओम कुमारी , डॉ. शारदा सिंह, डॉ. लता गोस्वामी और महाविद्यालय के अन्य विभाग के प्राध्यापकगण एवं शोधार्थीगण और विद्यार्थीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजू सिन्हा ने किया।

विभागाध्यक्ष
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

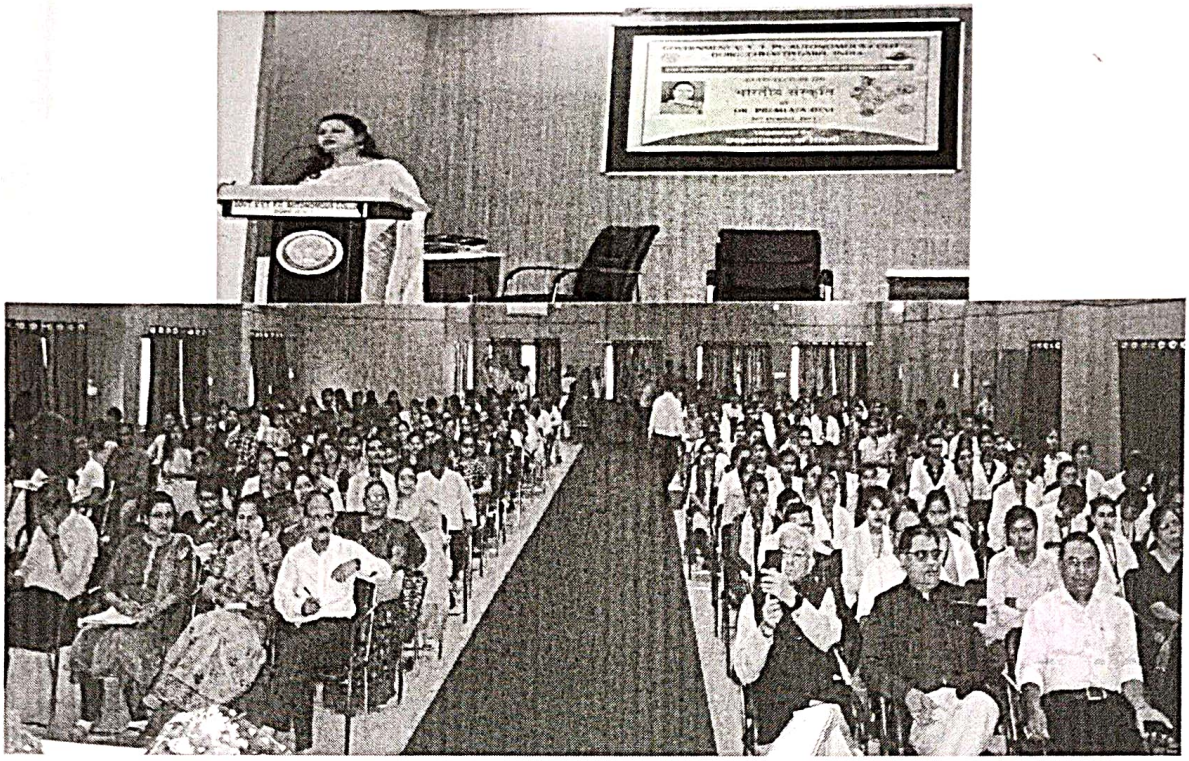

GOVERNMENT V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE,
DURG, CHHATTISGARH, INDIA
BY
DR. OM PRAKASH PANDEY
GPS Map Camera
Durg, Chhattisgarh, India
57WW+J36 BIORESOURCE Complex, Deepak Nagar, Durg, Bhilai, Chhattisgarh
491001, India
Lat 21.196656°
Long 81.295592°
30/10/23 12:01 PM GMT +05:30
Google

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 30.10.2023

प्रेस विज्ञप्ति

बहुआयामी भारतीय संस्कृति – प्रेमलता देवी

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा "भारतीयसंस्कृति" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात, गांधी नगर में पदस्थ सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रेमलता देवी थी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. कृष्णा चटर्जी ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में मुख्य वक्ता का परिचय सभागार में उपस्थित श्रोताओं को दिया।

भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान देते हुए डॉ. प्रेमलता देवी ने कहा कि अपने वजूद को बचाये रखने के लिए हमें अपनी संस्कृति को बचाए रखना है। वसुदैव कौटुम्बकम हमारा आदर्श और दृष्टिकोण है, जो हमारी जीवन शैली का अंग और संस्कार है। सर्वेभवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरायमय यहॉ की शिक्षा और संस्कार का अंग है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह एवं हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने प्रमुख वक्ता डॉ. प्रेमलता देवी के स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का आभार वक्तव्य में डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि भारतीय संस्कृति का विश्व संस्कृति में अहम स्थान है। भारतीय संस्कृति विश्व संस्कृति को प्रभावित करता है।

उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. सलूजा मैडम, डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. कुलकर्णी मैडम, डॉ. जय प्रकाश साव, प्रो. अन्नपूर्णा महतो, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. ओम कुमारी , डॉ. शारदा सिंह, डॉ. लता गोस्वामी और महाविद्यालय के अन्य विभाग के प्राध्यापकगण एवं शोधार्थीगण और विद्यार्थीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजू सिन्हा ने किया।

प्रति,

संपादक/ब्यूरो चीफ
दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

'भारतीय संस्कृति का विश्व में अहम स्थान'

दुर्ग (वि.)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने भारतीय संस्कृति विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। मुख्य वक्ता केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात गांधी नगर में पदस्थ सहायक प्राध्यापक डा. प्रेमलता देवी ने कहा कि अपने वजूद को बचाए रखने के लिए हमें अपनी संस्कृति को बचाए रखना है। वसुधैव कुटुंबकम् हमारा आदर्श और दृष्टिकोण है, जो हमारी जीवन शैली का अंग और संस्कार है। सर्वेभवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरायमय यहां की शिक्षा और संस्कार का अंग है। अंत में प्राचार्य डा. आरएन सिंह व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अभिनेष सुराना ने प्रमुख वक्ता का स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा. सुराना ने कहा कि भारतीय संस्कृति का विश्व संस्कृति में अहम स्थान है। भारतीय संस्कृति विश्व संस्कृति को प्रभावित करता है। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डा. बलजीत कौर, डा. सलूजा, डा. अनुपमा अस्थाना, डा. कुलकर्णी, डा. जय प्रकाश साव, प्रो. अन्नपूर्णा महतो, डा. सरिता मिश्र, डा. ओम कुमारी, डा. शारदा सिंह, डा. लता गोस्वामी और महाविद्यालय के अन्य विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिंदी विभाग, शासकीय विश्वनाथ तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

प्रति

प्राचार्य,

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

विषय : पीएमउषा योजना के अंतर्गत हिंदी विभाग द्वारा व्याख्यान श्रृंखला के आयोजन हेतु अनुमति विषयक

महोदय,

हिंदी विभाग द्वारा निम्नांकित तिथियों को व्याख्यान माला तथा करीयर काउंसिलिंग कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। आपसे निवेदन है कि इस हेतु विवेकानंद हॉल में उक्त आयोजन करने की अनुमति देने की कृपा करें।

क्र.	वक्ता	स्थान	व्याख्यान का विषय	तिथि /समय
1	डॉ जीवन यदु	खैरागढ़	दसमत कैना : इतिहास और मिथक	10.1.2024 / 11.00 बजे
2	डॉ. पीसी लाल यादव	खैरागढ़	दसमत कैना की कथावस्तु	10.1.2024 / 11.00 बजे
3	सुदीप ठाकुर	गाज़ियाबाद	पत्रकारिता की क्रियाविधि और पत्रकार के दायित्व	17.1.2024 / 11.00 बजे
4	मदन कश्यप	दिल्ली	आज की हिन्दी कविता	22.1.2024 / 11.00 बजे
5	डॉ. सियाराम शर्मा	उतई	कविता का सौन्दर्यलोक	22.1.2024 / 11.00 बजे
6	डॉ. भुवालसिंह ठाकुर	भखारा	हिन्दी में रोज़गार की संभावनाएँ (करीयर काउंसिलिंग कार्यशाला)	12.1.2024 / 11.00 बजे

Permitted

31/1/2024

विभागाध्यक्ष, हिन्दी

डॉ. अभिनेष सुराना
प्राध्यापक, हिन्दी
शास.वि.ना.या.ता.स्नात.महा.
दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य,
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10.01.2024 को प्रधानमंत्री उषा योजनान्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा एक दिवसीय व्याख्यान/कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है,

कार्यक्रम विवरण

व्याख्यान का विषय	:-	छत्तीसगढ़ी का आधुनिक साहित्य
वक्ता	:-	डॉ. जीवन यदु , खैरागढ़ जन गीतकार एवं लोक साहित्य मर्मज्ञ
व्याख्यान का विषय	:-	दसमत कैना की कथा वस्तु
वक्ता	:-	डॉ. पीसीलाल यादव , गंडई कवि, लेखक एवं लोक कला मर्मज्ञ
समय	:-	प्रात 11 बजे
स्थान	:-	ए. पी. जे. अब्दुलकलाम हाल

आप सादर आमंत्रित हैं।

डॉ. अभिषेक सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तास. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

व्याख्यान माला
हिन्दी विभाग
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
हिन्दी विभाग
विश्व हिन्दी दिवस
10 जनवरी

व्याख्यान माला

स्नातकोत्तर हिंदी परिषद
दुर्ग (छत्तीसगढ़)
Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy A31

कार्यालय प्राचार्य,
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10.01.2024 को प्रधानमंत्री उषा योजनान्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा एक दिवसीय व्याख्यान/कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है,

कार्यक्रम विवरण

व्याख्यान का विषय	:-	छत्तीसगढ़ी का आधुनिक साहित्य
वक्ता	:-	डॉ. जीवन यदु , खैरागढ़ जन गीतकार एवं लोक साहित्य मर्मज्ञ
व्याख्यान का विषय	:-	दसमत कैना की कथा वस्तु
वक्ता	:-	डॉ. पीसीलाल यादव , गंडई कवि, लेखक एवं लोक कला मर्मज्ञ
समय	:-	प्रात 11 बजे
स्थान	:-	ए. पी. जे. अब्दुलकलाम हाल

आप सादर आमंत्रित हैं।

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G)

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

प्रति
डॉ. जीवन यदु
दाऊचौरा, खैरागढ़

विषय : पीएम उषा योजना के अंतर्गत हिंदी विभाग द्वारा व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत व्याख्यान/कार्यशाला में भाग लेने हेतु आमंत्रण।

महोदय,

हिंदी विभाग द्वारा निम्नांकित तिथि और समय पर आयोजित व्याख्यान / कार्यशाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करने हेतु आप सादर आमंत्रित हैं।

आपके आगमन से हमें हार्दिक प्रसन्नता होगी।

साभार!

क्र.	वक्ता	स्थान	व्याख्यान का विषय	तिथि /समय
1	डॉ. जीवन यदु	खैरागढ़	छत्तीसगढ़ी का आधुनिक साहित्य	10.1.2024 / 11.00 बजे

विभागाध्यक्ष, हिन्दी
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

प्रति
डॉ. पीसीलाल यादव
गंडई, जिला- खैरागढ़-छुईखदान

विषय : पीएम उषा योजना के अंतर्गत हिंदी विभाग द्वारा व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत व्याख्यान/कार्यशाला में भाग लेने हेतु आमंत्रण।

महोदय,

हिंदी विभाग द्वारा निम्नांकित तिथि और समय पर आयोजित व्याख्यान / कार्यशाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करने हेतु आप सादर आमंत्रित हैं।

आपके आगमन से हमें हार्दिक प्रसन्नता होगी।

साभार!

क्र.	वक्ता	स्थान	व्याख्यान का विषय	तिथि /समय
1	डॉ. पीसी लाल यादव	खैरागढ़	दसमत कैना की कथावस्तु	10.1.2024 / 11.00 बजे

विभागाध्यक्ष, हिन्दी
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

दिनांक 11.01.2024

प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कार स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया स इस व्याख्यान माला में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि एवं संस्कृतिकर्मी जीवन यदु 'खैरागढ़' तथा पीसी लाल यादव 'गंडई' मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया। स्वागत वक्तव्य देते हुए हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि हमें हिंदी भाषा साहित्य के साथ हिंदी के लोक साहित्य की ओर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि शिष्ट साहित्य की सर्जना का स्रोत लोक साहित्य होता है।

अध्यक्ष की आसंदी से अपनी बात रखते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य एम.ए. सिद्धकी ने विश्व हिंदी दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि भाषा और गणित का ज्ञान शिक्षा का मूल आधार है स भाषा और गणित का ज्ञान ही शिक्षित होने का प्रमाण है।

अतिथि वक्त जीवन यदु ने 'छत्तीसगढ़ी का आधुनिक साहित्य' विषय पर वक्तव्य देते हुए इस बात पर जोर दिया की कविता की आत्मा लय है। लय में ही कविता का जीवन है। आज के बदलते समय में परिवर्तन के अनुकूल नए भाव, बिम्ब और विषयवस्तु का समावेश कविता में होना चाहिए। जीवन यदु ने छत्तीसगढ़ी साहित्य के समग्र परिदृश्य पर विस्तार से चर्चा की।
अतिथि वक्ता पीसीलाल यादव ने छत्तीसगढ़ी की विविध लोक गाथाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि जब हम लोक की बात करते हैं तब हम भी उसकी एक इकाई होते हैं। लोक–संस्कृति कहीं ना कहीं लोक में ही सुरक्षित है। वही लोक संस्कृति का भाव है।

व्याख्यान कार्यक्रम के पश्चात काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया खैरागढ़ से पधारे कवि संकल्प पहटिया ने अपनी कविता का पाठ किया तत्पश्चात कवि पीसी लाल यादव ने छत्तीसगढ़ी कविता के सस्वर पाठ से उपस्थित श्रोताओं को झूमने और साथ–साथ कोरस में गीत गाने के लिए विवश कर दिया।

कवि जीवन यदु ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'जब तक रोटी के प्रश्नों पर रखा रहेगा भारी पत्थर' गीत का पाठ कर श्रोताओं को यथार्थ जीवन से परिचित कराते हुए संघर्ष पर बल दिया।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ.ओमकुमारी देवांगन, डॉ. शारदा सिंह, डॉ.लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी तथा शोधार्थी उपस्थित थे स कार्यक्रम का संचालन डॉ.कृष्ण चटर्जी ने तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती महतो ने किया।

11.01.2024
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग

Principal
Govt V Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

दिनांक 11.01.2024

प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कार स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया स इस व्याख्यान माला में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि एवं संस्कृतिकर्मी जीवन यदु 'खैरागढ़' तथा पीसी लाल यादव 'गंडई' मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया। स्वागत वक्तव्य देते हुए हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि हमें हिंदी भाषा साहित्य के साथ हिंदी के लोक साहित्य की ओर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि शिष्ट साहित्य की सर्जना का स्रोत लोक साहित्य होता है।

अध्यक्ष की आसंदी से अपनी बात रखते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य एम.ए. सिद्धकी ने विश्व हिंदी दिवसं की शुभकामना देते हुए कहा कि भाषा और गणित का ज्ञान शिक्षा का मूल आधार है स भाषा और गणित का ज्ञान ही शिक्षित होने का प्रमाण है।

अतिथि वक्त जीवन यदु ने 'छत्तीसगढ़ी का आधुनिक साहित्य' विषय पर वक्तव्य देते हुए इस बात पर जोर दिया की कविता की आत्मा लय है। लय में ही कविता का जीवन है। आज के बदलते समय में परिवर्तन के अनुकूल नए भाव, बिम्ब और विषयवस्तु का समावेश कविता में होना चाहिए। जीवन यदु ने छत्तीसगढ़ी साहित्य के समग्र परिदृश्य पर विस्तार से चर्चा की।

अतिथि वक्ता पीसीलाल यादव ने छत्तीसगढ़ी की विविध लोक गाथाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि जब हम लोक की बात करते हैं तब हम भी उसकी एक इकाई होते हैं। लोक–संस्कृति कहीं ना कहीं लोक में ही सुरक्षित है। वही लोक संस्कृति का भाव है।

व्याख्यान कार्यक्रम के पश्चात काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया खैरागढ़ से पधारे कवि संकल्प पहटिया ने अपनी कविता का पाठ किया तत्पश्चात कवि पीसी लाल यादव ने छत्तीसगढ़ी कविता के सस्वर पाठ से उपस्थित श्रोताओं को झूमने और साथ–साथ कोरस में गीत गाने के लिए विवश कर दिया।

कवि जीवन यदु ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'जब तक रोटी के प्रश्नों पर रखा रहेगा भारी पत्थर' गीत का पाठ कर श्रोताओं को यथार्थ जीवन से परिचित कराते हुए संघर्ष पर बल दिया।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ.ओमकुमारी देवांगन, डॉ. शारदा सिंह, डॉ.लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी तथा शोधार्थी उपस्थित थे स कार्यक्रम का संचालन डॉ.कृष्ण चटर्जी ने तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती महतो ने किया।

11.01.2024
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कार स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग
Principal
Govt V Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 11.01.2024

प्रेस विज्ञप्ति

सर्जना का स्रोत लोक साहित्य होता है

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कार स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया स इस व्याख्यान माला में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि एवं संस्कृतिकर्मी जीवन यदु 'खैरागढ़' तथा पीसी लाल यादव 'गंडई' मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया। स्वागत वक्तव्य देते हुए हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि हमें हिंदी भाषा साहित्य के साथ हिंदी के लोक साहित्य की ओर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि शिष्ट साहित्य की सर्जना का स्रोत लोक साहित्य होता है।

अध्यक्ष की आसंदी से अपनी बात रखते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य एम.ए. सिद्धकी ने विश्व हिंदी दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि भाषा और गणित का ज्ञान शिक्षा का मूल आधार है स भाषा और गणित का ज्ञान ही शिक्षित होने का प्रमाण है।

अतिथि वक्त जीवन यदु ने 'छत्तीसगढ़ी का आधुनिक साहित्य' विषय पर वक्तव्य देते हुए इस बात पर जोर दिया की कविता की आत्मा लय है। लय में ही कविता का जीवन है। आज के बदलते समय में परिवर्तन के अनुकूल नए भाव, बिम्ब और विषयवस्तु का समावेश कविता में होना चाहिए। जीवन यदु ने छत्तीसगढ़ी साहित्य के समग्र परिदृश्य पर विस्तार से चर्चा की।
अतिथि वक्ता पीसीलाल यादव ने छत्तीसगढ़ी की विविध लोक गाथाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि जब हम लोक की बात करते हैं तब हम भी उसकी एक इकाई होते हैं। लोक–संस्कृति कहीं ना कहीं लोक में ही सुरक्षित है। वही लोक संस्कृति का भाव है।

व्याख्यान कार्यक्रम के पश्चात काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया खैरागढ़ से पधारे कवि संकल्प पहटिया ने अपनी कविता का पाठ किया तत्पश्चात कवि पीसी लाल यादव ने छत्तीसगढ़ी कविता के सस्वर पाठ से उपस्थित श्रोताओं को झूमने और साथ–साथ कोरस में गीत गाने के लिए विवश कर दिया।

कवि जीवन यदु ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'जब तक रोटी के प्रश्नों पर रखा रहेगा भारी पत्थर' गीत का पाठ कर श्रोताओं को यथार्थ जीवन से परिचित कराते हुए संघर्ष पर बल दिया।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ.ओमकुमारी देवांगन, डॉ. शारदा सिंह, डॉ.लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी तथा शोधार्थी उपस्थित थे स कार्यक्रम का संचालन डॉ.कृष्ण चटर्जी ने तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती महतो ने किया।

प्रति,

संपादक/ब्यूरो चीफ
दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग

Principal
Govt V Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

दिनांक 11.01.2024

प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कार स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया स इस व्याख्यान माला में छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि एवं संस्कृतिकर्मी जीवन यदु 'खैरागढ़' तथा पीसी लाल यादव 'गंडई' मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन अतिथियों द्वारा किया गया। स्वागत वक्तव्य देते हुए हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि हमें हिंदी भाषा साहित्य के साथ हिंदी के लोक साहित्य की ओर ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि शिष्ट साहित्य की सर्जना का स्रोत लोक साहित्य होता है।

अध्यक्ष की आसंदी से अपनी बात रखते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य एम.ए. सिद्धकी ने विश्व हिंदी दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि भाषा और गणित का ज्ञान शिक्षा का मूल आधार है स भाषा और गणित का ज्ञान ही शिक्षित होने का प्रमाण है।

अतिथि वक्त जीवन यदु ने 'छत्तीसगढ़ी का आधुनिक साहित्य' विषय पर वक्तव्य देते हुए इस बात पर जोर दिया की कविता की आत्मा लय है। लय में ही कविता का जीवन है। आज के बदलते समय में परिवर्तन के अनुकूल नए भाव, बिम्ब और विषयवस्तु का समावेश कविता में होना चाहिए। जीवन यदु ने छत्तीसगढ़ी साहित्य के समग्र परिदृश्य पर विस्तार से चर्चा की।
अतिथि वक्ता पीसीलाल यादव ने छत्तीसगढ़ी की विविध लोक गाथाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि जब हम लोक की बात करते हैं तब हम भी उसकी एक इकाई होते हैं। लोक–संस्कृति कहीं ना कहीं लोक में ही सुरक्षित है। वही लोक संस्कृति का भाव है।

व्याख्यान कार्यक्रम के पश्चात काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया खैरागढ़ से पधारे कवि संकल्प पहटिया ने अपनी कविता का पाठ किया तत्पश्चात कवि पीसी लाल यादव ने छत्तीसगढ़ी कविता के सस्वर पाठ से उपस्थित श्रोताओं को झूमने और साथ–साथ कोरस में गीत गाने के लिए विवश कर दिया।

कवि जीवन यदु ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'जब तक रोटी के प्रश्नों पर रखा रहेगा भारी पत्थर' गीत का पाठ कर श्रोताओं को यथार्थ जीवन से परिचित कराते हुए संघर्ष पर बल दिया।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ.ओमकुमारी देवांगन, डॉ. शारदा सिंह, डॉ.लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी तथा शोधार्थी उपस्थित थे स कार्यक्रम का संचालन डॉ.कृष्ण चटर्जी ने तथा आभार प्रदर्शन श्रीमती महतो ने किया।

11.01.2024
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तास. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग
Principal
Govt V Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

व्याख्यान माला
हिन्दी विभाग
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
हिन्दी विभाग
विश्व हिन्दी दिवस
10 जनवरी

शास.वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

सूचना

दिनांक - 15:01:2024

महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 18 /01/ 2024 को छत्तीसगढ़ी लोककला एवं संस्कृति पर व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है ।

कार्यक्रम विवरण :

प्रमुख वक्ता

हेमलाल कौशल - संस्थापक राग अनुराग सांस्कृतिक संस्था दुर्ग

श्री मन कुरैशी - छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार रायपुर

दिनांक - 18 /01/2024

समय - 12:00 बजे

स्थान - राधाकृष्णन सभागार

इस आयोजन में आप सभी सादर आमंत्रित हैं ।

15/1/2024

विभागाध्यक्ष

डॉ. आभना सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

हिंदी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग छत्तीसगढ़

दिनांक 15-01-2024

प्रति,

प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग, छत्तीसगढ़ा

विषय :- दिनांक 18-01-2024 छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति पर व्याख्यान बाबत

मान्यवर,

निवेदन है कि हिन्दी विभाग द्वारा व्याख्यानमाला का आयोजन प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में वक्ता के रूप दिनांक 18-01-2024 को छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार हेमलाल कौशल, मन कुरैशी छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति पर व्याख्यान देंगे।

कृपया अनुमति प्रदान करें।

Permitted

विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

दिनांक 16.01.2024

प.क्र. 2274/24

प्रति,

श्री हेमलाल कौशल
संस्थापक
राग-अनुराग, सांस्कृतिक संस्था
दुर्ग

विषय : व्याख्यान हेतु आमंत्रण ।

मान्यवर,

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 18-01-2024 को को मध्याह्न 12 बजे छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति पर व्याख्यान आयोजित है । उक्त कार्यक्रम में आपको अतिथि वक्ता रूप में सादर आमंत्रित करते हैं । आपकी उपस्थिति से महाविद्यालय के विद्यार्थी लाभान्वित होंगें ।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त व्याख्यान हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष हिन्दी
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

दिनांक 16/01/2024

प.क्र. 2275/24

प्रति,

श्री मन कुरैशी
छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार
रायपुर

विषय : व्याख्यान हेतु आमंत्रण ।

मान्यवर,

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 18-01-2024 को को मध्याह्न 12 बजे छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति पर व्याख्यान आयोजित है । उक्त कार्यक्रम में आपको अतिथि वक्ता रूप में सादर आमंत्रित करते हैं । आपकी उपस्थिति से महाविद्यालय के विद्यार्थी लाभान्वित होंगें ।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त व्याख्यान हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष हिन्दी
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G)

हिन्दी विभाग

प्रतिवेदन

दिनांक 18.01.2024

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग में छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ के जाने माने लोक कलाकार हेमलाल कौशल, मोना सेन एवं छत्तीसगढ़ी फिल्मों के अभिनेता मन कुरैशी जी आमंत्रित थे।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी, ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि कला एक नैसर्गिक गुण होता है, और मेहनत से उसे अर्जित भी किया जा सकता है। एक कलाकार को अपनी कला को उभारने में बहुत संघर्ष करने पड़ते है, तभी वह सफलता के आयाम को छू पाता है।

छत्तीसगढ़ी फिल्मो के लोकप्रिय एवं सफल अभिनेता मन कुरैशी ने अपने वक्तव्य में कहा कि छत्तीसगढ़ी लोक कला को बचाये रखने वाले कलाकारों का सम्मान होना चाहिए तभी हमारी संस्कृति सुरक्षित रहेगी। महाविद्यालय में लोक कलाकार के रूप में इतना सम्मान पाकर मैं बहुत गौरवांवित महसूस कर रहा हूं। आज नाटक, गम्मत, पंडवानी जैसी लोककला को बचाने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष के बारे में विस्तार से बताया तथा विद्यार्थियों को संघर्ष कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जीवन में पढ़ाई के साथ–साथ किसी हुनर का होना बहुत जरूरी है। उन्होंने महाविद्यालय में अतिथि के रूप में बुलाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

दूसरे वक्ता के रूप में उपस्थित मोना सेन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हर सफल कलाकार के सफलता के पीछे संघर्ष की कहानी जुड़ी होती है। उन्होंने बच्चों को सच्चाई एवं ईमानदारी से माता–पिता और गुरू का सम्मान करते हुए मेहनत करने की प्रेरणा दी। मोना सेन ने आगे कहा कि जिंदगी बहुत महत्वपूर्ण होती है, कभी भी तनाव में आकर गलत कदम मत उठाना क्योंकि जिंदगी न मिलेंगी दोबारा। मुझे बहुत आश्चर्य होता है, कि बॉलीवुड एवं छालीवुड में युवाओं द्वारा किए जा रहे आत्म हत्या जैसे गलत कदम उठाये जा रहे है, आप लोग अपने परिवार एवं माता–पिता का ध्यान रखते हुए कभी ऐसे कार्य न करें। अंत में उन्होंने छत्तीसगढ़ी में ददरिया की प्रस्तुति दी।

छत्तीसगढ़ी एवं भोजपुरी फिल्म अभिनेता तथा लोकप्रिय कलाकार राग–अनुराग के संस्थापक श्री हेमलाल कौशल ने अपने व्याख्यान में कहा कि कलाकार छोटा या बड़ा नही होता, उसे शिक्षित होना जरूरी होता है। शिक्षा पर जोर देते हुए अपने जीवन के अनुभव के आधार पर कहा कि जब कलाकार शिक्षित होते हैं, तभी समय के साथ आगे बढ़ पाते हैं। उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष के दिनों के याद करते हुए बच्चों से भी आग्रह किया कि वे जीवन में कभी मेहनत और संघर्ष करने से पीछे न हटे।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन एवं आभार प्रदर्शन हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने किया। स्वागत भाषण संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे के द्वारा किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ी फिल्मों के कलाकारों से फिल्म एवं लोक कला से संबंधित बहुत से प्रश्न किये, जिनका अतिथि वक्ताओं ने बहुत संतोष जनक उत्तर दिये। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के प्राध्यापक, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोधार्थी छात्र–छात्राऐं उपस्थित थे।

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्ना. स्व. महा.
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

हिन्दी विभाग

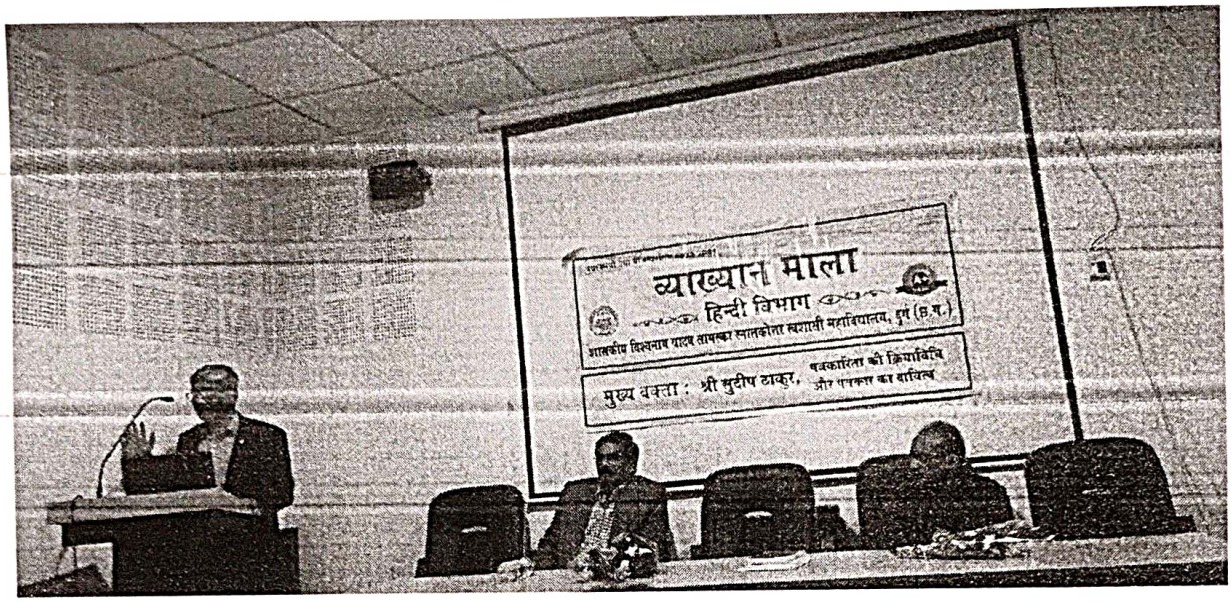

व्याख्यान माला

शास.वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

सूचना

दिनांक - 19:01:2024

महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 23/01/2024 को पत्रकारिता की क्रियाविधि और पत्रकार का दायित्व विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता वरिष्ठ पत्रकार सुदीप ठाकुर होंगे।

दिनांक - 23 /01/2024
समय - 12:00 बजे
स्थान - विवेकानन्द सभागार

विभागाध्यक्ष

19.1.24

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

हिन्दी विभाग

प्रतिवेदन

पत्रकारिता और चुनौतियां साथ–साथ चलती हैं – सुदीप ठाकुर

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा पी.एम.योजनांतर्गत व्याख्यानमाला के तहत पत्रकारिता की किया विधि और पत्रकार का दायित्व विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता के रूम में अमर उजाला दिल्ली के स्थानीय पूर्व संपादक श्री सुदीप ठाकुर उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्रचार डॉ. एम.ए. सिद्दीकी द्वारा स्वागत संबोधन दिया गया। हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि सत्ता व्यवस्था और समाज को दिशा देने के लिए समाचार पत्र और मीडिया का उदय हुआ। लेखक पत्रकार कलमकार का संघर्ष सदैव आम जनता के हित चिंतन के लिए होता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्राध्यापक डॉ. जयप्रकाश ने अतिथि वक्ता का परिचय देते हुए कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई पत्रकारिता की जमीन से लड़ी गई 20वीं शताब्दी में स्वतंत्रता के बाद पत्रकारिता के मूल्य भी बदले। आज समाज पतन के नए दौर से गुजर रहा है तब पत्रकारिता भी प्रभावित हो रही है। मुख्य वक्ता श्री सुदीप ठाकुर ने कहा कि पत्रकारों के लिए हमेशा चुनौती होती है। पत्रकारिता और चुनौतियां साथ–साथ चलती है। विभिन्न सत्ताएं प्रेस को नियंत्रित करने का प्रयास करतीं है। इस चुनौती पूर्ण समय में आज भी पत्रकार समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की भूमिका का निर्वाह सकते हैं बस उनमें सामाजिक प्रतिबद्धता होना आवश्यक है। तकनीकी विकास के साथ आज अखबार खतरे में है। पत्रकारिता आज मल्टी टास्किंग हो गया है। आज पत्रकार खुद खबर बनते हैं जबकि उन्हें खबर नहीं बना है उन्हें खबर देना है। कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त करते हुए डॉक्टर रजनीश उमरे ने कहा कि पत्रकार व्यक्ति नहीं एक वर्ग होता है उस पर खतरा सदैव बना रहता है। खतरे की परवाह न करते हुए वह चुनौती के साथ अपने दायित्व के प्रति संघर्ष करता है। मुक्तिबोध की कविता का उध्दरण देते हुए उन्होंने कहा कि "अभिव्यक्ति के सब खतरे उठाने होंगे, तोड़ने होगें मठ और गढ़ सब।"

कार्यक्रम सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था। सुभाष चंद्र बोस की जीवनी और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को रेखांकित करते हुए एम.ए. हिन्दी की छात्रा मोनिका निषाद ने कहा कि अपने संपूर्ण जीवन को राष्ट्र के प्रति समर्पित कर देना वाले सुभाष चन्द्र बोस से प्रेरणा लेते हुए हमें सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वाह प्रतिबद्धता के साथ करना चाहिए।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में पत्रकार जाकिर हुसैन राजनीति शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. शकील हुसैन, प्राध्यापक डॉ आर.एस. सिंह संस्कृत के विभागाध्यक्ष जनेन्द्र दीवान, डॉ नीता मिश्रा हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, श्रीमती अन्नपूर्णा महतो, डॉ.कृष्णा चटर्जी, डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, डॉ. शारदा सिंह, डॉ.लता गोस्वामी के साथ बड़ी संख्या में हिंदी के विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

विभागाध्यक्ष
हिंदी विभाग

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)
Principal
Govt V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G)

व्याख्यान माला
हिन्दी विभाग
मुख्य वक्ता : श्री सुदीप ठाकुर,

व्याख्यान माला

शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात. स्वशासी महा. दुर्ग
व्याख्यान - छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति
हिंदी एवं संस्कृत विभाग

हिन्दी - विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

प्रति ,

प्राचार्य
शास.विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

विषय : पी.एम.उषा 2023-24 योजनान्तर्गत व्याख्यान माला में व्याख्यान की अनुमति बाबत ।

महोदय,

हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 09-02-2024 को व्याख्यान माला के अंतर्गत व्याख्यान प्रस्तावित है । जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. शंकर निषाद पूर्व प्राध्यापक हिंदी एवं प्रो. थानसिंह वर्मा पूर्व प्राध्यापक हिंदी को आमंत्रित किया जाना है ।

कृपया आयोजन हेतु अनुमति देने का कष्ट करें ।

धन्यवाद

Principal
Govt V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी - विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

07.02.2024

सूचना

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि व्याख्यान माला (पी.एम.उषा योजनांतर्गत) के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है

कार्यक्रम विवरण

विषय - 'मध्यकालीन कवि 'बिहारी'

वक्ता - डॉ. शंकर निषाद

सेवा निवृत्त प्राध्यापक (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

विषय - 'कोच्ची के दरख़्त और सामाजिक यथार्थ'

वक्ता - प्रो.थानसिंह वर्मा

सेवा निवृत्त प्राध्यापक (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

दिनाँक - 09 फरवरी 2024

समय - प्रातः 11:00 बजे

स्थान - विवेकानंद सभागार

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थी नियत तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित रहें ।

विभागाध्यक्ष हिन्दी
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G)

कार्यालय प्राचार्य, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

दिनांक 7/2/24

प.क्र. 3131

प्रति,

डॉ. शंकर निषाद
सेवा निवृत्त प्राध्यापक (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

विषय : व्याख्यान हेतु आमंत्रण ।

मान्यवर,

महाविद्यालय के हिन्दी-विभाग द्वारा दिनांक- 09-02-2024 को मध्याह्न 11 बजे मध्यकालीन कवि 'बिहारी' विषय पर व्याख्यान आयोजित है । उक्त कार्यक्रम में आपको अतिथि वक्ता के रूप में सादर आमंत्रित करते हैं । आपकी उपस्थिति से महाविद्यालय के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे ।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त व्याख्यान हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष हिन्दी

प्राचार्य

Principal
Govt V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G)

कार्यालय प्राचार्य, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

प.क्र. 3131 दिनांक 7/2/24

प्रति,

प्रो. थानसिंह वर्मा
सेवा निवृत्त प्राध्यापक (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

विषय : व्याख्यान हेतु आमंत्रण ।

मान्यवर,

महाविद्द्यालय के हिन्दी-विभाग द्वारा दिनांक- 09-02-2024 को मध्याहन 11 बजे कोच्ची के दरख़्त और सामाजिक यथार्थ विषय पर व्याख्यान आयोजित है । उक्त कार्यक्रम में आपको अतिथि वक्ता के रूप में सादर आमंत्रित करते हैं । आपकी उपस्थिति से महाविद्द्यालय के विद्द्यार्थी लाभान्वित होंगें ।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त व्याख्यान हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष हिन्दी
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नात.
महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 09.02.2024

प्रेस विज्ञप्ति

कविता मनुष्यता को बचाए रखती है – थानसिंह वर्मा

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिंदी विभाग के द्वारा पी. एम.उषा योजनांतर्गत 'मध्यकालीन कवि बिहारी' एवं मलयालम भाषी कवि के.जी.शंकर पिल्लै के हिन्दी अनुदित काव्य संग्रह 'कोच्चि के दरख्त का सामाजिक यथार्थ' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि कविता में कलात्मकता रीतिकाल की कवियों की और समय का यथार्थ समकालीन कविता की विशेषता है।

डॉ.शंकर निषाद ने 'मध्यकालीन कवि बिहारी' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि साहित्य में कवि अपनी कल्पना का उपयोग करता है और अगर उनके साहित्य में कल्पना नहीं होगी तो वह कोरा इतिहास हो जाएगा। श्रृंगार के कवि बिहारी ने तत्कालीन सत्ता को दिशा देने का काम किया। बिहारी के साहित्य में ज्योतिष, अंकगणित आदि विभिन्न विषयों की चर्चा है। बिहारी श्रृंगार के दोनों ही पक्षों का सुंदर वर्णन अपने काव्य में करते हैं। साहित्य समझने के लिए समझ और अनुभूति आवश्यक है।

प्रोफेसर थानसिंह वर्मा ने कोच्चि के दरख्त का सामाजिक यथार्थ विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि मलयालम कविता में समकालीन यथार्थ को चित्रित करने वाले कवि के.जी.शंकर पिल्लै हैं। उन्होंने बताया कि मनुष्यता को जगाए रखने के लिए कविता की आवश्यकता रहेगी। कविता की समझ ना रखने वाले पशु हैं। कविता मनुष्यता को बचाए रखती है, इसे जगाती है। कोच्चि की दरख्त कविता की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि आज का सामाजिक यथार्थ इन कविताओं में बखूबी व्यंजित है। आज की जनता कविता में व्यंजित सामाजिक याथार्थ को भोग रहे हैं। कविता परिवर्तन की आकांक्षा लिए हुए है।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. जयप्रकाश, डॉ. कृष्ण चटर्जी, प्रो.अन्नपूर्णा महतो, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. ओम कुमारी देवांगन, डॉ. लता गोस्वामी, डॉ. शारदा सिंह के साथ स्नातक, स्नातकोत्तर के विद्यार्थी तथा शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.रजनीश उमरें तथा आभार ज्ञापन डॉ बलजीत कौर ने किया।

प्रति,
संपादक/ब्यूरो चीफ
दैनिक .....दुर्ग
इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्व.महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 09.02.2024

हिन्दी विभाग

प्रतिवेदन

कविता मनुष्यता को बचाए रखती है – थानसिंह वर्मा

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिंदी विभाग के द्वारा पी. एम.उषा योजनांतर्गत 'मध्यकालीन कवि बिहारी' एवं मलयालम भाषी कवि के.जी.शंकर पिल्लै के हिन्दी अनुदित काव्य संग्रह 'कोच्चि के दरख्त का सामाजिक यथार्थ' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि कविता में कलात्मकता रीतिकाल की कवियों की और समय का यथार्थ समकालीन कविता की विशेषता है।

डॉ. शंकर निषाद ने' मध्यकालीन कवि बिहारी' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि साहित्य में कवि अपनी कल्पना का उपयोग करता है और अगर उनके साहित्य में कल्पना नहीं होगी तो वह कोरा इतिहास हो जाएगा। श्रृंगार के कवि बिहारी ने तत्कालीन सत्ता को दिशा देने का काम किया। बिहारी के साहित्य में ज्योतिष, अंकगणित आदि विभिन्न विषयों की चर्चा है। बिहारी श्रृंगार के दोनों ही पक्षों का सुंदर वर्णन अपने काव्य में करते हैं। साहित्य समझने के लिए समझ और अनुभूति आवश्यक है।

प्रोफेसर थानसिंह वर्मा ने कोच्चि के दरख्त का सामाजिक यथार्थ विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि मलयालम कविता में समकालीन यथार्थ को चित्रित करने वाले कवि के.जी.शंकर पिल्लै हैं। उन्होंने बताया कि मनुष्यता को जगाए रखने के लिए कविता की आवश्यकता रहेगी। कविता की समझ ना रखने वाले पशु हैं। कविता मनुष्यता को बचाए रखती है, इसे जगाती है। कोच्चि की दरख्त कविता की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि आज का सामाजिक यथार्थ इन कविताओं में बखूबी व्यंजित है। आज की जनता कविता में व्यंजित सामाजिक याथार्थ को भोग रहे हैं। कविता परिवर्तन की आकांक्षा लिए हुए है।

उक्त संपन्न कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. जयप्रकाश, डॉ. कृष्ण चटर्जी, प्रो.अन्नपूर्णा महतो, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. ओमकुमारी देवांगन, डॉ. लता गोस्वामी, डॉ. शारदा सिंह के साथ स्नातक, स्नातकोत्तर के विद्यार्थी तथा शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरें तथा आभार ज्ञापन डॉ बलजीत कौर ने किया।

विभागाध्यक्ष
हिन्दी
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

प.क्र. दिनांक

प्रति ,

प्राचार्य
शास.विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

विषय : पी.एम.उषा 2023-24 योजनान्तर्गत व्याख्यान माला में व्याख्यान की अनुमति बाबत ।

महोदय,

हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 14-02-2024 को व्याख्यान माला के अंतर्गत व्याख्यान प्रस्तावित है । जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में श्री कपूर वासनिक जी, मराठी साहित्य के अधेयता एवं कवि बिलासपुर एवं श्री शरद कोकस जी, कवि एवं आईटी विशेषज्ञ दुर्ग को आमंत्रित किया जाना है । यह आयोजन विवेकानंद सभागार में संपन्न होगा ।

कृपया आयोजन हेतु अनुमति देने का कष्ट करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष

अनुमति

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

प.क्र. दिनांक

सूचना

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि व्याख्यान माला (पी.एम.उषा योजनांतर्गत) के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है

कार्यक्रम विवरण

विषय - मराठी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास
वक्ता - श्री कपूर वासनिक जी
मराठी साहित्य के अधेयता एवं कवि, बिलासपुर
विषय - हिन्दी एवं मराठी साहित्य की समकालीन परंपरा
वक्ता - श्री शरद कोकस जी
कवि एवं आईटी विशेषज्ञ, दुर्ग

दिनाँक - 14 फरवरी 2024
समय - प्रातः 11:00 बजे
स्थान - विवेकानंद सभागार

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थी नियत तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित रहें ।

विभागाध्यक्ष हिन्दी

प्राचार्य
Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

दिनांक 15.02.2024

हिन्दी विभाग
प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा पी.एम.उषा योजनांतर्गत व्याख्यान माला का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम को केंद्र में रखकर भारतीय साहित्य के अंतर्गत 'मराठी साहित्य' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ता के रूप में बिलासपुर के ख्यातिनाम मराठी कवि कपूर वासनिक तथा दुर्ग के कवि शरद कोकास आमंत्रित थे। बसंत पंचमी के दिन आयोजित इस कार्यक्रम के प्रारंभ में कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला को याद करते हुए डॉ. जय प्रकाश साव ने कहा कि निराला की उपस्थिति हिंदी साहित्य में प्राण की तरह है। उन्होंने कहा कि निराला मां सरस्वती के वरद पुत्र थे लेकिन उन्होंने देवी से विद्या नहीं, स्वतंत्रता का वरदान मांगा। उनकी प्रसिद्ध कृति राम की शक्ति पूजा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि निराला के राम भारत की चेतना है और यह चेतना जन जन में समाहित है। जनता की शक्ति को वे दिशा देना चाहते हैं। निराला शक्ति की नई संकल्पना का आह्वान करते हुए नया सोचने का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में आयोजन के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम 'भारतीय साहित्य' में भारत के हिन्दीतर साहित्य को स्थान दिया गया है जिसके तहत विविध विषयों में व्याख्यान किये जा रहे हैं।

शरद कोकास ने अपने वक्तव्य में हिंदी के भक्ति काल और मराठी के संत साहित्य की विशेषताओं का तुलनात्मक और समन्वयात्मक विवरण देते हुए कहा कि संत नामदेव ने मराठी के अलावा हिंदी में भी अनेक पद और साखियां लिखी हैं, यहां तक कि सिक्खों के गुरु ग्रंथ साहिब में भक्त नामदेव की मुख वाणी के नाम से अनेक पद मिलते हैं। उन्होंने संतों की विद्रोही परंपरा और उनके सामाजिक योगदान पर विशेष प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता कपूर वासनिक ने मराठी भाषा के उद्‌गम और विकास के पुरातात्विक प्रमाणों सहित उसके इतिहास से लेकर मराठी साहित्य की परंपरा तथा मध्य प्रांत में हिंदी के साथ–साथ मराठी साहित्य के विकास का उल्लेख किया। मराठी के दलित आंदोलन और दलित साहित्य के कवियों की विशेषताओं का उल्लेख भी उन्होंने किया।

उपर्युक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ बलजीत कौर, डॉ कृष्ण चटर्जी एवं अतिथि प्राध्यापक डॉ सरिता मिश्र, ओम कुमारी देवांगन, डॉ लता गोस्वामी एवं स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी तथा शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ रजनीश उमरें ने तथा आभार ज्ञापन डॉ शारदा सिंह ने किया।

विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नात. महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी - विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

दिनांक-17-02-2024

प्रति ,

प्राचार्य
शास.विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

विषय : पी.एम.उषा 2023-24 योजनान्तर्गत व्याख्यान माला में व्याख्यान की अनुमति बाबत ।

महोदय,

हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 21-02-2024 एवं 22-02-2024 को व्याख्यान माला के अंतर्गत व्याख्यान प्रस्तावित है । जिसमें 21-02-2024 को अतिथि वक्ता के रूप में गुलबीर सिंह भाटिया, शरद कोकास , एवं 22-02-2024 को सियाराम शर्मा , नासिर अहमद सिकन्दर दुर्ग को आमंत्रित किया जाना है । यह आयोजन विवेकानंद सभागार में 11 से 02 बजे तक संपन्न होगा ।

कृपया आयोजन हेतु अनुमति देने का कष्ट करें ।

धन्यवाद

17.2.2024

विभागाध्यक्ष

Principal
Govt V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

प.क्र. दिनांक

सूचना

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि व्याख्यान माला (पी.एम.उषा योजनांतर्गत) के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है

कार्यक्रम विवरण

विषय - आज की कविता
वक्ता - श्री गुलबीर सिंह भाटिया
विषय - कविता का शिल्पपक्ष
वक्ता - श्री शरद कोकास

दिनाँक - 21 फरवरी 2024
समय - प्रातः 11:00 बजे
स्थान - विवेकानंद सभागार

विषय - समकालीन कविता की वैचारिकी
वक्ता - श्री सियाराम शर्मा
विषय - हिंदी की कविता : नये रास्ते की खोज
वक्ता - श्री नासिर अहमद सिकन्दर
दिनाँक - 22फरवरी 2024
समय - प्रातः 11:00 बजे
स्थान - विवेकानंद सभागार

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थी नियत तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित रहें ।

विभागाध्यक्ष हिन्दी

प्राचार्य

Principal
Govt V Y T P G Autonomous
College Durg (C.G.)

शास.वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

प्रतिवेदन

दिनांक - 21:02:2024

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में पीएम उषा योजनान्तर्गत व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। व्याख्यान में आज की कविता विषय पर गुलबीर सिंह भाटिया ने और कविता का शिल्प पक्ष विषय पर शरद कोकास ने अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ.अभिनेष सुराना ने अपने स्वागत उद्बोधन में बताया कि आज की कविता और कविता का शिल्प पक्ष को समझना साहित्य के विद्यार्थियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है और इसी उद्देश्य को लेकर आज यह व्याख्यान आयोजित है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम. ए. सिद्दीकी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कविता से मनुष्य का लगाव आदिकाल से चली आ रही है पर आज के युवा अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए गद्य जैसी विधा का प्रयोग ज्यादा करते हैं। कविता के संगठन बनावट तथा शिल्पविधान की ओर उनका ध्यान नहीं जाता।

गुलबीर सिंह भाटिया ने आज की कविता विषय पर अपने वक्तव्य में कहा कि आज कविता आमजन के बहुत करीब हो गई है। आज वही कविता सफल है जो आमजन के सुख-दुख, जीवन संघर्ष और स्वप्न यथार्थ को व्यक्त करती है। आज की कविता में सर्वहारा वर्ग के छोटे बड़े संघर्ष और उसके अस्तित्व की चुनौतियां दिखाई पड़ती है। कविता का शिल्पपक्ष पर गंभीरता से चिंतन करते हुए शरद कोकास ने कहा कि आज की कविता का स्वर ज्यादा मारक हो गया है। वह आम बोलचाल की भाषा में सीधे-सीधे अपने लक्ष्य को व्यक्त करती है। आज की कविता पूर्व की कविताओं से कहीं अधिक सजग स्पष्ट और अर्थपूर्ण है। भाषा की सामान्य समझ रखने वाला व्यक्ति भी आज की कविता को आसानी से समझ सकता है।

आयोजन में हिन्दी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. जयप्रकाश साव, डॉ.कृष्णा चटर्जी डॉ. सरिता मिश्रा, डॉ.ओमकुमारी देवांगन, डॉ. लता गोस्वामी, प्रो. जैनेंद्र दीवान सहित शोधार्थी संग्राम सिंह, बेलमती, निर्मला पटेल, लक्ष्मिन चौहान, रसना मुखर्जी, टिकेन्द्र, नीरज, आशारानी एवं स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन डॉ.रजनीश उमरे ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. शारदा सिंह ने किया।

Principal
Govt. T.P G. Autonomous
College Durg (C.G.)

प्राचार्य

विभागाध्यक्ष

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

शास.वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

प्रतिवेदन

दिनांक - 22:02:2024

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में पीएम उषा योजनांतर्गत व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। "समकालीन कविता की वैचारिकी" विषय पर शासकीय दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई के हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष व आलोचक डॉ. सियाराम शर्मा तथा वरिष्ठ कवि नासिर अहमद सिकन्दर "हिन्दी कविता : नये रास्ते की खोज" विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित थे। विषय प्रवर्तन करते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं शोधार्थियों एवं हिन्दी के समस्त सुधी पाठकों के लिए यह अपरिहार्य है कि वे समकालीन कविता की वैचारिकी और हिन्दी कविता : नये रास्ते की खोज की बारीकियों से अवगत हों।

समकालीन कविता की वैचारिकी पर विचार व्यक्त करते हुए डॉ. सियाराम शर्मा ने कहा कि आज की कविता सीधे-सीधे आम जनता के जीवन संघर्ष और अस्मिता से मुठभेड़ करती है। वह मूल्य विरोधी तत्वों और मान्यता के खिलाफ संगठित षडयंत्रों को भी बेनकाब करती है। आज की कविता सर्वहारा वर्ग के स्वर को मुखर करती है। आज की कविता उन तमाम शक्तियों और संगठनों के खिलाफ है, जो एक मनुष्य को मनुष्य होने के मार्ग में बाधक बनती है। हिन्दी कविता : नये रास्ते की खोज के सन्दर्भ में विचार व्यक्त करते हुए कवि नासिर अहमद सिकन्दर ने कहा कि आज हमारे आसपास की छोटी-छोटी विषय वस्तुओं में भी संवेदना की तलाश ज्यादा मायने रखती है। आज कविता के लिए विषय वस्तु से कहीं अधिक मायने यह रखती है कि वह तत्व हमसे किस तरह जुड़ा हुआ है। सजीव निर्जीव समस्त तत्वों के साथ रागात्मक संबंध स्थापित कर मानवीय मूल्यों की तलाश ही आज की कविता का मूल स्वर है।

उक्त आयोजन में हिन्दी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. जयप्रकाश साव, डॉ. कृष्णा चटर्जी, डॉ. सरिता मिश्र, डॉ. शारदा सिंह, डॉ लता गोस्वामी सहित शोधार्थी बेलमती, निर्मला, संग्राम सिंह, आशा रानी, लक्ष्मिन एवं स्नातकोत्तर छात्र मोरध्वज, भूमिका पुरेन्द्र, नीलकंठ, सारिक, ओमप्रकाश, रिया आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओमकुमारी देवाँगन ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. रजनीश उमरे ने किया।

प्राचार्य
Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

22/2/24
विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

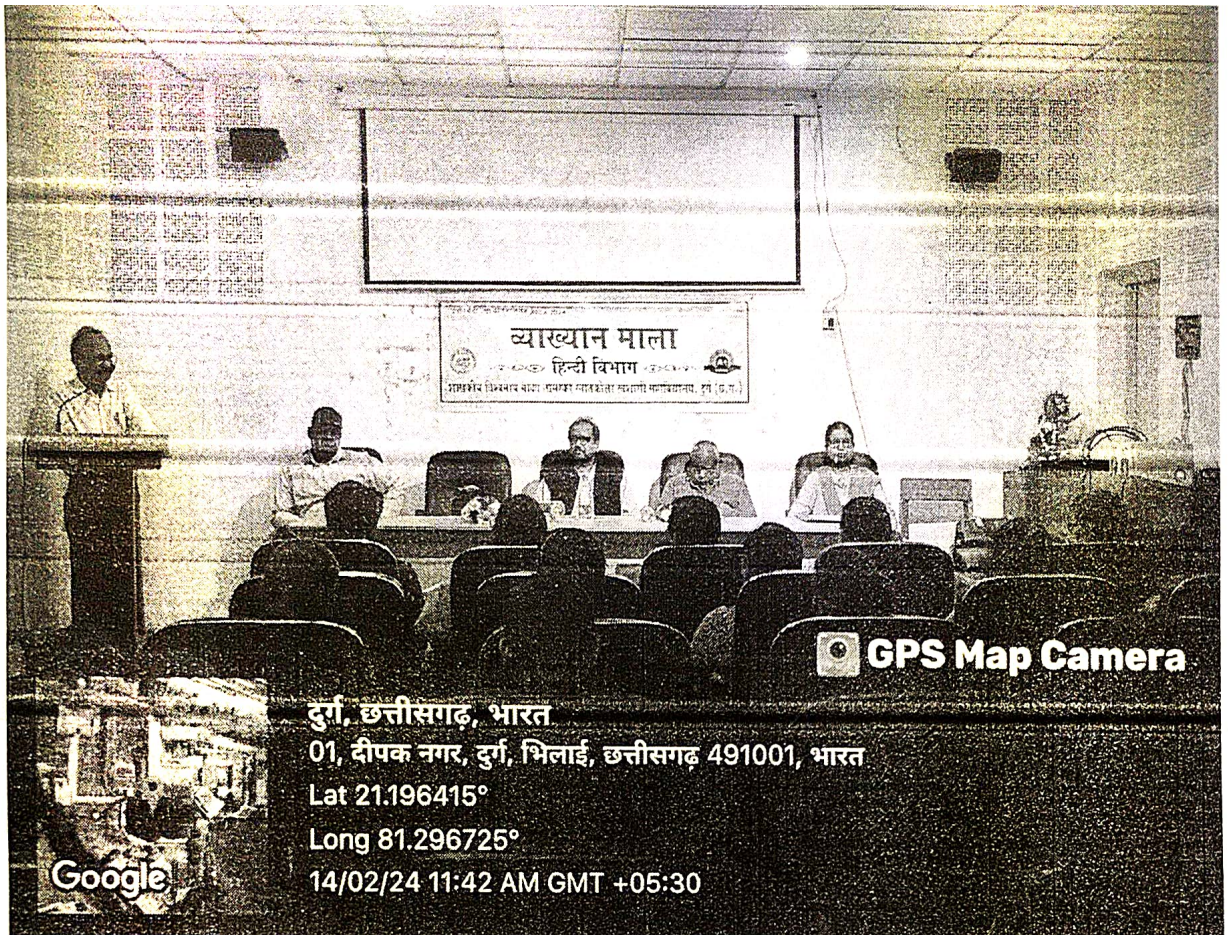
व्याख्यान माला
हिन्दी विभाग
GPS Map Camera
दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत
01, दीपक नगर, दुर्ग, भिलाई, छत्तीसगढ़ 491001, भारत
Lat 21.196415°
Long 81.296725°
14/02/24 11:42 AM GMT +05:30
Google

हिन्दी - विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

दिनांक 5/3/2024

प्रति ,

प्राचार्य
शास.विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

विषय : पी.एम.उषा 2023-24 योजनान्तर्गत व्याख्यान की अनुमति बाबत ।

महोदय,

हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 12-03-2024 को व्याख्यान माला के अंतर्गत व्याख्यान प्रस्तावित है। जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. सियाराम शर्मा विभागाध्यक्ष हिंदी, शासकीय दानवीर तुलाराम महाविद्यालय उतई को आमंत्रित किया जाना है

कृपया आयोजन हेतु अनुमति देने का कष्ट करें ।

धन्यवाद

Permitted
Principal
S.V.Y.T.PG.Auto. College
Durg (C.G.)

विभागाध्यक्ष

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी - विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

सूचना

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि व्याख्यान माला (पी.एम.उषा योजनांतर्गत) के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है

कार्यक्रम विवरण

विषय - भारतीय साहित्य में भारत का बिम्ब

वक्ता - डॉ. सियाराम शर्मा
विभागाध्यक्ष हिंदी
शास. दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई
जिला दुर्ग

दिनाँक - 12 मार्च 2024
समय - प्रातः 11:00 बजे
स्थान - टैगोर सभागार

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थी नियत तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित रहें ।

विभागाध्यक्ष हिन्दी

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt. V. Y. T. PG. Auto. College
Durg (C.G.)

हिन्दी - विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

दिनांक 5/3/2024

प्रति ,

प्राचार्य
शास.विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

विषय : पी.एम.उषा 2023-24 योजनान्तर्गत व्याख्यान की अनुमति बाबत ।

महोदय,

हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 12-03-2024 को व्याख्यान माला के अंतर्गत व्याख्यान प्रस्तावित है। जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी सहायक प्राध्यापक हिंदी, शासकीय उत्तम साव महाविद्यालय मचांदुर को आमंत्रित किया जाना है

कृपया आयोजन हेतु अनुमति देने का कष्ट करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी - विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

सूचना

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि व्याख्यान माला (पी.एम.उषा योजनांतर्गत) के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है

कार्यक्रम विवरण

विषय - वैचारिक साहित्य : अनुवाद की परंपरा

वक्ता - डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक हिंदी
शासकीय उत्तम साव महाविद्यालय मचांदुर
जिला दुर्ग

दिनाँक - 12 मार्च 2024
समय - प्रातः 11:00 बजे
स्थान - टैगोर सभागार

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थी नियत तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित रहें ।

विभागाध्यक्ष हिन्दी

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य,

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

प.क्र. 24-A/2024 दिनांक 05/03/2024

प्रति,

डॉ. सियाराम शर्मा
विभागाध्यक्ष हिंदी
शास. दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई

विषय : व्याख्यान हेतु आमंत्रण ।

मान्यवर,

महाविद्यालय के हिन्दी-विभाग द्वारा दिनांक- 12-03-2024 को मध्याह्न 11 बजे **भारतीय साहित्य में भारत का बिम्ब** विषय पर व्याख्यान आयोजित है । उक्त कार्यक्रम में आपको अतिथि वक्ता के रूप में सादर आमंत्रित करते हैं । आपकी उपस्थिति से महाविद्यालय के विद्यार्थी लाभान्वित होंगें ।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त व्याख्यान हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष हिन्दी

प्राचार्य
Principal
Govt. V. Y. T. PG. Auto. College
Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य,

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

प.क्र. 24/B/2024 दिनांक 5/3/2024

प्रति,

डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक हिंदी
शासकीय उत्तम साव महाविद्यालय मचांदुर

विषय : व्याख्यान हेतु आमंत्रण ।

मान्यवर,

महाविद्यालय के हिन्दी-विभाग द्वारा दिनांक- 12-03-2024 को मध्याह्न 11 बजे **वैचारिक साहित्य : अनुवाद की परंपरा** विषय पर व्याख्यान आयोजित है । उक्त कार्यक्रम में आपको अतिथि वक्ता के रूप में सादर आमंत्रित करते हैं । आपकी उपस्थिति से महाविद्यालय के विद्यार्थी लाभान्वित होंगें ।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त व्याख्यान हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष हिन्दी

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तास. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

दिनांक 12.03.2024

हिन्दी विभाग

प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा पी.एम.उषा योजनांतर्गत व्याख्यान माला का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम को केंद्र में रखकर भारतीय साहित्य के अंतर्गत 'भारतीय साहित्य में भारत का बिंब' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ता के रूप में शास. दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई के सहायक प्राध्यापक एवं हिंदी के वरिष्ठ आलोचक डॉ. सियाराम शर्मा व शासकीय दाऊ उत्तम साव महाविद्यालय मचांदुर, जिला-दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी आमंत्रित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने स्वागत उद्बोधन में साहित्य की महत्ता की ओर संकेत करते हुए भारतीय साहित्य की व्यापकता पर अपनी बात रखी और अनुवाद की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम में भारतीय साहित्य को शामिल किया गया है ताकि स्नातकोत्तर स्तर के अध्येता (विद्यार्थी) भारतीय साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष को समझ सके।

इस कार्यक्रम के पहले वक्ता डॉ.सियाराम शर्मा ने अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय साहित्य में भारत का बिंब विभिन्न रूपों में प्रस्तुत हो रहा है, जो समय-समय पर बदलते भारतीय संस्कृति, समाज, मूल्य और उसकी उपयोगिता की मूलभूत पहचान को दर्शाते हैं। आगे उन्होंने बताया कि भारतीय साहित्य की परंपरा बहुत पुरानी है। भारतीय साहित्य में वैदिक साहित्य का विशेष महत्व है। यह साहित्य भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक विचारधारा को प्रतिष्ठित करता है। डॉ. सियाराम शर्मा ने कहा भारतीय साहित्य की अमूल्य निधि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस है।

इस कड़ी में अनुवाद के अंतर्गत वैचारिक साहित्य अनुवाद की परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालने के लिए शासकीय दाऊ उत्तम साव महाविद्यालय मचांदुर, जिला-दुर्ग से सहायक प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी आमंत्रित थे। उन्होंने अपने वक्तव्य के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान तथा भाव एवं चिंतन के क्षेत्र में अनुवाद की क्या भूमिका हो सकती है उससे अवगत कराया साथ ही साथ साहित्य के प्रचार-प्रसार और संवर्धन में अनुवाद की महत्ता को बताया है। डॉ. त्रिपाठी ने आगे कहा कि अलग-अलग भाषाओं में अलग-अलग सामाजिक परिस्थितियों पर लिखे गए वैचारिक साहित्य के प्रचार-प्रसार का सही साधन अनुवाद होता है। इसके लिए सामाजिक परिस्थितियों को समझना अनुवाद प्रक्रिया में जरूरी होता है।

उपर्युक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. कृष्णा चटर्जी एवं अतिथि प्राध्यापक डॉ. सरिता मिश्र, ओम कुमारी देवांगन, लता गोस्वामी एवं स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी मो. सारिक, सीमा गजभिये, पुरेंद्र कुमार, डाकेश कुमार एवं तोरण लाल साहू तथा शोधार्थी संग्राम सिंह निराला, निर्मला पटेल, बेलमती पटेल, लक्ष्मीन चौहान, रसना मुखर्जी, आशा रानी,प्रणव शर्मा,युगेश कुमार देशमुख,टेकराम, तरूण कुमार साहू आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. शारदा सिंह ने किया।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नातकोत्तर
स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 12.03.2024

हिन्दी विभाग

प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा पी.एम.उषा योजनांतर्गत व्याख्यान माला का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम को केंद्र में रखकर भारतीय साहित्य के अंतर्गत 'भारतीय साहित्य में भारत का बिंब' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ता के रूप में शास. दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय उतई के सहायक प्राध्यापक एवं हिंदी के वरिष्ठ आलोचक डॉ. सियाराम शर्मा व शासकीय दाऊ उत्तम साव महाविद्यालय मचांदुर, जिला-दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी आमंत्रित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने स्वागत उद्बोधन में साहित्य की महत्ता की ओर संकेत करते हुए भारतीय साहित्य की व्यापकता पर अपनी बात रखी और अनुवाद की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम में भारतीय साहित्य को शामिल किया गया है ताकि स्नातकोत्तर स्तर के अध्येता (विद्यार्थी) भारतीय साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष को समझ सके।

इस कार्यक्रम के पहले वक्ता डॉ.सियाराम शर्मा ने अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतीय साहित्य में भारत का बिंब विभिन्न रूपों में प्रस्तुत हो रहा है, जो समय-समय पर बदलते भारतीय संस्कृति, समाज, मूल्य और उसकी उपयोगिता की मूलभूत पहचान को दर्शाते हैं। आगे उन्होंने बताया कि भारतीय साहित्य की परंपरा बहुत पुरानी है। भारतीय साहित्य में वैदिक साहित्य का विशेष महत्व है। यह साहित्य भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक विचारधारा को प्रतिष्ठित करता है। डॉ. सियाराम शर्मा ने कहा भारतीय साहित्य की अमूल्य निधि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस है।

इस कड़ी में अनुवाद के अंतर्गत वैचारिक साहित्य अनुवाद की परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालने के लिए शासकीय दाऊ उत्तम साव महाविद्यालय मचांदुर, जिला-दुर्ग से सहायक प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी आमंत्रित थे। उन्होंने अपने वक्तव्य के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान तथा भाव एवं चिंतन के क्षेत्र में अनुवाद की क्या भूमिका हो सकती है उससे अवगत कराया साथ ही साथ साहित्य के प्रचार-प्रसार और संवर्धन में अनुवाद की महत्ता को बताया है। डॉ. त्रिपाठी ने आगे कहा कि अलग-अलग भाषाओं में अलग-अलग सामाजिक परिस्थितियों पर लिखे गए वैचारिक साहित्य के प्रचार-प्रसार का सही साधन अनुवाद होता है। इसके लिए सामाजिक परिस्थितियों को समझना अनुवाद प्रक्रिया में जरूरी होता है।

उपर्युक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. कृष्णा चटर्जी एवं अतिथि प्राध्यापक डॉ. सरिता मिश्र, ओम कुमारी देवांगन, लता गोस्वामी एवं स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी मो. सारिक, सीमा गजभिये, पुरेंद्र कुमार, डाकेश कुमार एवं तोरण लाल साहू तथा शोधार्थी संग्राम सिंह निराला, निर्मला पटेल, बेलमती पटेल, लक्ष्मीन चौहान, रसना मुखर्जी, आशा रानी,प्रणव शर्मा,युगेश कुमार देशमुख,टेकराम, तरूण कुमार साहू आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. शारदा सिंह ने किया।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नातकोत्तर
स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी - विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

प्रति ,

प्राचार्य
शास.विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

विषय : पी.एम.उषा 2023-24 योजनान्तर्गत व्याख्यान की अनुमति बाबत ।

महोदय,

हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 28-03-2024 को व्याख्यान माला के अंतर्गत व्याख्यान प्रस्तावित है। जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. राजेश दुबे प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय जरहाभाठा, रायपुर एवं सौरभ सराफ सहायक प्राध्यापक हिंदी, मोतीलाल नेहरु कॉलेज, दिल्ली को आमंत्रित किया जाना है

कृपया आयोजन हेतु अनुमति देने का कष्ट करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष

Permitted

Priacipal
Govt V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G)

कार्यालय प्राचार्य,
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)

प.क्र. 119/2024 दिनांक 23-03-2024

प्रति,

सौरभ सराफ
सहायक प्राध्यापक हिंदी,
मोतीलाल नेहरु कॉलेज, दिल्ली

विषय : व्याख्यान हेतु आमंत्रण ।

मान्यवर,

महाविद्यालय के हिन्दी-विभाग द्वारा दिनांक- 28-03-2024 को मध्याह्न 11 बजे **आधुनिक कवि - नागार्जुन, त्रिलोचन, मुक्तिबोध** विषय पर व्याख्यान आयोजित है । उक्त कार्यक्रम में आपको अतिथि वक्ता के रूप में सादर आमंत्रित करते हैं । आपकी उपस्थिति से महाविद्यालय के विद्यार्थी लाभान्वित होंगें ।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त व्याख्यान हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान करें ।

धन्यवाद

विभागाध्यक्ष हिन्दी

प्राचार्य
Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G)

हिन्दी - विभाग

शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छग)

सूचना

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि व्याख्यान माला (पी.एम.उषा योजनांतर्गत) के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है

कार्यक्रम विवरण

विषय - छत्तीसगढ़ी कविता का लोक-राग

वक्ता - डॉ. राजेश दुबे

प्राचार्य

शासकीय नवीन महाविद्यालय जरहाभाठा, रायपुर

विषय - आधुनिक कवि - नागार्जुन, त्रिलोचन, मुक्तिबोध

वक्ता - सौरभ सराफ

सहायक प्राध्यापक हिंदी,

मोतीलाल नेहरु कॉलेज, दिल्ली

दिनाँक - 28 मार्च 2024

समय - प्रातः 11:00 बजे

स्थान - टैगोर सभागार

स्नातकोत्तर हिंदी के समस्त विद्यार्थी नियत तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित रहें ।

विभागाध्यक्ष हिन्दी

प्राचार्य

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

दिनांक 28.03.2024

हिन्दी विभाग

प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा पी.एम. उषा योजनांतर्गत व्याख्यान माला का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम को केंद्र में रखकर छत्तीसगढ़ी कविता का लोकराग तथा आधुनिक कवि : नागार्जुन, त्रिलोचन और मुक्तिबोध पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ता के रूप में शासकीय नवीन महाविद्यालय भाठागांव रायपुर के प्राचार्य डॉ. राजेश दुबे व मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय दिल्ली से सहायक प्राध्यापक, श्री सौरभ सराफ आमंत्रित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने स्वागत उद्बोधन में आयोजन के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम में इन दोनों विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया है एक विषय छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, रीतिरिवाज और इतिहास से परिचित कराता है, तो वहीं दूसरा विषय, आधुनिक कविता समाज को देखने का दृष्टि प्रदान करता है। इन दोनों विषयों की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई में स्थान दिया गया है। जिसके तहत इन विषयों पर व्याख्यान के आयोजन किए जा रहे हैं।

शासकीय नवीन महाविद्यालय भाठागांव रायपुर के प्राचार्य डॉ. राजेश दुबे ने छत्तीसगढ़ी कविता का लोकराग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी कविता में प्रयुक्त लोकगीत और लोककथाएं यहां की जनता का परिचायक है। लोकराग छत्तीसगढ़ी साहित्य का प्राण तत्व है। छत्तीसगढ़ी कविता में अभिव्यक्त लोकराग, कवियों की भावनाओं को व्यक्त करने में मदद करता है। और पाठकों को कल्पना की दुनिया में विचरण करने का अनुभव प्रदान करता है।

डॉ. राजेश दुबे जी ने छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोककथाओं पर बातचीत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी कविता लोकराग के दृष्टिकोण से अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी साहित्य की विशेषताओं का तुलनात्मक और समन्वयात्मक विवरण देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी कविता के अतिरिक्त अन्य विधा भी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को भारत के लोक संस्कृति के समतुल्य खड़ा किया है, और कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी कविता की परंपरा और उनके सामाजिक योगदान पर विशेष प्रकाश डाला और छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्गम और विकास के पुरातात्विक प्रमाणों सहित उसके इतिहास से लेकर छत्तीसगढ़ी साहित्य की परंपरा तथा मध्य प्रांत में हिंदी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी साहित्य के विकास का भी उल्लेख किया।

दूसरे वक्ता के रूप में मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय दिल्ली से आमंत्रित सहायक प्राध्यापक,श्री सौरभ सराफ ने नागार्जुन, त्रिलोचन और मुक्तिबोध की कविताओं को सामाजिक

यथार्थ का उद्घोषक कहा। उनकी कविताओं को सामाजिक यथार्थवादी कविता के रूप में जाना जाता है। नागार्जुन और त्रिलोचन की कविता में समाज की विसंगति, शोषण, और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत है। इन दोनों कवियों ने अपनी कविता में सामाजिक यथार्थ के अलावा, प्रेम, प्रकृति, और आध्यात्मिकता जैसे विषयों को भी शामिल किया है। इनकी कविता की भाषा सहज,सरल और स्पष्ट है। जो पाठकों को उनकी बात समझने में मदद करती है। इनकी कविताओं के माध्यम से सामाजिक यथार्थ को एक नए दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि मुक्तिबोध की कविता उसे और विस्तार देता है, और मानवतावादी दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है। मुक्तिबोध जी की कविताएं आम जनता के हाथों में क्रांति-चेतना का मशाल देकर एक छत के नीचे उपस्थित होने का आह्वान करती है। दुनिया के मजदूरों एक हो जाओ और अपने ऊपर होने वाले अत्याचार का प्रतिकार करो। मुक्तिबोध की कविता भ्रष्टाचार, अन्याय, शोषण और प्रशासनिक क्रूरता का पोल खोलती है। वस्तुतः मुक्तिबोध की कविता सभ्य समाज कहे जाने वाले असभ्य समाज की पड़ताल करता है।

उपर्युक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. कृष्णा चटर्जी एवं अतिथि प्राध्यापक डॉ. सरिता मिश्र, ओमकुमारी देवांगन, लता गोस्वामी एवं स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी मो. सारिक, सीमा गजभिये, पुरेंद्र कुमार, डाकेश कुमार एवं तोरण लाल साहू तथा शोधार्थी संग्राम सिंह निराला, निर्मला पटेल, बेलमती पटेल, लक्ष्मीन चौहान, रसना मुखर्जी, आशा रानी, प्रणव शर्मा, युगेश कुमार देशमुख, टेकराम, तरूण कुमार साहू आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. शारदा सिंह ने किया।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नातकोत्तर
स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)